A Daily News Magazine
इंदौर
शुक्रवार, 31 अक्टूबर, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 40, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews


प्रसंगवश

# प्रतिष्ठित टाटा ग्रुप में छिड़ी कलह की जड़ में क्या है?

**निखिल इनामदार**

रतन टाटा के निधन के एक साल बाद, अब टाटा समूह कई तरह के संकटों से जूझ रहा है। टाटा ग्रुप- नमक से लेकर इस्पात तक बनाने वाला वो विशाल भारतीय कारोबारी साम्राज्य है, जिसे रतन टाटा ने आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत बनाकर एक ग्लोबल पावर हाउस में तब्दील कर दिया। वो समूह आज कई चुनौतियों का सामना कर रहा है।

वो टाटा समूह, जिसके पास जगुआर लैंड रोवर और टेटली टी जैसे प्रतिष्ठित ब्रिटिश ब्रांड हैं और जो भारत में एपल के लिए आईफोन बनाता है वो एक बार फिर से अंदरूनी झगड़ों का सामना कर रहा है।

पिछले कई महीनों से ट्रस्टियों के बीच चल रहे बोर्डरूम स्ट्रगल ने समूह के भीतर गहराते मतभेदों को उजागर कर दिया है। इन मतभेदों ने सरकार को भी दखल देने पर मजबूर कर दिया ताकि 2016 की तरह कोई सार्वजनिक कानूनी विवाद दोबारा न हो। उस वक्त तत्कालीन चेयरमैन सायरस मिस्त्री को उनके पद से हटा दिया गया था।

दिल्ली में कुछ मंत्रियों के हस्तक्षेप के बाद कुछ हफ़्ते पहले एक अस्थाई समझौता कराने में सफलता मिली थी, लेकिन ताज़ा रिपोर्टों के मुताबिक़ रतन टाटा के करीबी सहयोगी रहे और टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी मेहली मिस्त्री को उनके पद से हटा दिया गया है। टाटा ट्रस्ट से हमें इस बारे में ई जवाब नहीं मिला है।

मैरीलैंड विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर मिर्चा रयानू, ने टाटा समूह के इतिहास पर एक अहम किताब लिखी है। वो इस संघर्ष को 'अनसुलझे मामलों का फिर से उभरना' बताते हैं। यानी मूल सवाल यह है कि टाटा समूह में वास्तव में नियंत्रण किसके हाथ में है, और मेजोरिटी शेयरहोल्डर (टाटा संस की 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला टाटा ट्रस्ट्स) कारोबारी फ़ैसलों में कितना प्रभाव रख सकता है।

टाटा समूह की निर्णायक हिस्सेदारी एक अनलिस्टेड होल्डिंग कंपनी (टाटा संस) की है, लेकिन वह एक परोपकारी संगठन (टाटा ट्रस्ट्स) के पास है। इससे समूह को टैक्स संबंधी फ़ायदे और दूसरे रेगुलेटरी एडवॉन्टेज तो मिलते हैं, साथ ही उसे सामाजिक कार्य करने की सुविधा भी मिलती है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इसके कारण इसे अपने सामाजिक कार्यों और व्यावसायिक उद्देश्यों के बीच संतुलन क़ायम करने में दिक्क़तें पैदा होती हैं।

यह ताज़ा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब टाटा समूह सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में विस्तार करने की कोशिश कर रहा है। साथ ही संकटग्रस्त एयर इंडिया में जान फूंकने की कोशिश कर रहा है। वो एयरलाइन जिसे उसने 2021 में सरकार से ख़रीदा था। टाटा समूह ने इस मतभेद पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन माना जा रहा है कि यह विवाद ट्रस्टियों के बीच बोर्ड नियुक्तियों, वित्तीय स्वीकृतियों और टाटा संस को शेयर बाज़ार में लिस्टेड करने को लेकर मतभेदों से उपजा है। टाटा संस 26 लिस्टेड टाटा कंपनियों की होल्डिंग कंपनी है और जिसकी मार्केट कैपिटल लगभग 328 अरब डॉलर है। टाटा समूह से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि कुछ ट्रस्टी टाटा संस में बड़े फ़ैसलों पर अपना ज़्यादा प्रभाव चाहते हैं और कंपनी के बोर्ड में अपने मनचाहे लोगों को रखना चाहते हैं। यही इस संघर्ष का मुख्य कारण है। टाटा ट्रस्ट्स के तीन प्रतिनिधि टाटा संस के बोर्ड में शामिल हैं। टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनेटेड मेंबर्स को कंपनी के बड़े निर्णयों पर वीटो का अधिकार है, लेकिन आमतौर पर उनकी भूमिका निगरानी की होती है, हस्तक्षेप करने की नहीं। हालांकि अब, कुछ ट्रस्टी वाणिज्यिक फ़ैसलों में ज़्यादा ताक़त चाहते हैं।

'टाटा संस में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी वाला शापूरजी पालूनजी (एसपी) ग्रुप कंपनी को शेयर बाज़ार में लाना चाहता है। ये भी विवाद की एक अहम वजह है। जहां एसपी समूह लंबे समय से इसके लिए दबाव बना रहा है, वहीं ज़्यादातर टाटा ट्रस्टी इस विचार के खिलाफ़ हैं। यह आशंका है कि कंपनी को सार्वजनिक करने (शेयर मार्केट में लाने) से ट्रस्ट की निर्णय-लेने की क्षमता और उसका विज़न कमजोर पड़ जाएगा, और टाटा संस पर बाज़ार का दबाव बढ़ जाएगा। ख़ासकर इसलिए क्योंकि इसके कई नए कारोबार अभी शुरुआती चरण में हैं।'

लेकिन एसपी समूह ने आईपीओ लाने यानी पब्लिक लिस्टिंग को 'नैतिक और सामाजिक ज़रूरत' बताया है, जो टाटा के शेयरधारकों के हित के साथ-साथ कंपनी में पारदर्शिता और बेहतर शासन को भी बढ़ावा देगा। प्रो. मिर्चा रयानू के अनुसार, यह मतभेद दिखाता है कि टाटा ग्रुप किस चुनौती का सामना कर रहा है।

उनके मुताबिक, 'कंपनी को सार्वजनिक करना अमेरिका और यूरोप के कई बड़े बिज़नेस ग्रुप्स की मौजूदा रणनीति से बिल्कुल अलग होगा। इन देशों के ये बड़े बिज़नेस ग्रुप्स स्थिरता और लॉन्ग टर्म के लिए फाउंडेशन-ऑनरशिप का मॉडल अपना रहे हैं, और विडंबना यह है कि उनमें से कई इसके लिए टाटा समूह को उदाहरण के रूप में देखते हैं। लेकिन साथ ही, निजी या सीमित स्वामित्व वाली कंपनियों पर बाहरी निगरानी कम होती है, जो अक्सर विवाद को बढ़ावा दे सकती है और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है।'

'इमेज गुरू' दिलीप चेरियन के मुताबिक़, इस विवाद ने भारत के सबसे पुराने और सम्मानित कारोबारी घरानों में से एक माने जाने वाले टाटा समूह की ब्रांड इमेज को प्रभावित किया है। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन सायरस मिस्त्री के साथ काम कर चुके चेरियन ने कहा, 'टाटा की छवि को हाल में कई झटके लगे हैं। कंपनी में हाल के दिनों में बड़े पैमाने पर छंटनी हुई है और मार्क्स एंड स्पेंसर ने हाल ही में टीसीएस के साथ एक अरब डॉलर का करार ख़त्म कर दिया है।'

चेरियन ने कहा, 'ये बोर्डरूम की लड़ाइयां और भ्रम पैदा करती हैं। अब केवल शेयर परफॉर्मेंस को लेकर ही चिंता नहीं होगी बल्कि निवेशकों के मन में यह सवाल भी उठेगा कि वे टाटा समूह में वास्तव में किससे डील कर रहे हैं।' ख़बर ये भी है कि इस उथल-पुथल के बीच, टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। हालांकि, टाटा समूह के पास संकटों से निपटने का पुराना अनुभव है। प्रोफेसर रयानू के मुताबिक़ इस बार का मतभेद थोड़ा अलग है। उस समय ग्रुप की कमज़ोर कंपनियों को टीसीएस ने संभाले रखा था। लेकिन वर्तमान में टीसीएस का कारोबारी मॉडल भी संक्रमण के दौर से गुज़र रहा है। ऐसे में टाटा समूह के पास वैसा ही कोई 'आधार स्तंभ' नहीं है, जो इन आंतरिक मतभेदों के बीच स्थिरता बनाए रख सके।

**(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)**

## सुप्रभात

रास्ते जो भी चमक-दार
नज़र आते हैं
सब तेरी ओढ़नी के
तार नज़र आते हैं

कोई पागल ही मोहब्बत
से नवाज़ेगा मुझे
आप तो ख़ैर समझदार
नज़र आते हैं

मैं कहाँ जाऊँ करूँ किस से
शिकायत उस की
हर तरफ़ उस के तरफ़-दार
नज़र आते हैं

ज़ख़्म भरने लगे हैं
पिछली मुलाक़ातों के
फिर मुलाक़ात के
आसार नज़र आते हैं

एक ही बार नज़र पड़ती है
उन पर 'ताबिश'
और फिर वो ही
लगातार नज़र आते हैं।

**- ज़ुबैर अली ताबिश**

# आईएएस की पत्नी के साथ जो हुआ, जानकर सिहर उठेंगे युवा

● छपरा में पीएम मोदी बोले-महागठबंधन का घोषणापत्र नहीं...रेटलिस्ट है

**कहा-असली मकसद-रंगदारी, फिरौती,लूट-खसूट,भ्रष्टाचार...यही सब है**



**छपरा (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र नहीं, अपनी रेटलिस्ट जारी की है। पीएम मोदी गुरुवार को बिहार के छपरा में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पीएम मोदी ने कहा- बिहार में 1998 में, दलित आईएएस अधिकारी की पत्नी के साथ जो हुआ आजकल के युवा वो जानेंगें तो सिहर उठेंगे। दलित आईएएस अधिकारी की पत्नी ने राज्यपाल को चिट्ठी लिखकर खुलासा किया था कि आरजेडी के गुंडों ने कई दिनों तक उसके साथ बलात्कार किया था और परिवार की अन्य महिलाओं को भी नहीं बख्शा था, उन्हें भी प्रताड़ित किया था। आरजेडी की सरकार में मुख्यमंत्री का कार्यालय तक माफियाओं का कार्यालय बन गया था। इनकी हर घोषणा के पीछे का असली मकसद- रंगदारी, फिरौती, लूट-खसूट, भ्रष्टाचार... यही सब है।

### माता पिता के एक वोट ने बिहार को जंगलराज से मुक्ति दिलाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा-जो पहली बार वोट देने जा रहे हैं, मैं उन सभी नौजवानों से कहना चाहता हूं, मैं सभी मतदाताओं से कहना चाहता हूं कि आपको अपने वोट की कीमत पहचाननी है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि आपके माता पिता के एक वोट ने बिहार को जंगलराज से मुक्ति दिलाई और बिहार को सुशासन की ओर ले गए। ये आपके पिताजी और माताजी के वोट की ताकत थी, अब बारी आपकी है। अब आपके एक वोट से सुशासन को समृद्धि में बदलने का समय है। पीएम मोदी ने कहा-जो लोग आपकी आस्था का सम्मान नहीं कर सकते, वो लोग आस्था के स्थलों का विकास नहीं कर सकते। आप लोगों ने कल ही देखा है कि कैसे आरजेडी और कांग्रेस ने छठी मैया का अपमान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा-500 साल के इंतजार और अवरित संघर्ष के बाद जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना, तब प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए लाखों लाख लोग अयोध्या चल पड़े, लेकिन कांग्रेस व आरजेडी के नेताओं को राम मंदिर के निर्माण से भी परेशानी है। आपने कभी कांग्रेस व आरजेडी वालों को अयोध्या जाते देखा... नहीं! क्योंकि उन्हें (कांग्रेस व आरजेडी) डर है कि अयोध्या जाकर अगर वे श्रीराम के दर्शन करेंगे, तो उनका वोट बैंक नाराज हो जाएगा, तुष्टिकरण का गणित बिगड़ जाएगा, ये घुसपैठिए उनके माथे पर चढ़ जाएंगे।

# बच्चे खूब पढ़ें, आगे बढ़ें, बेहतर शिक्षा देना राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

**देव दीपावली से पहले मनी विद्यार्थियों की दिवाली, 52 लाख से अधिक विद्यार्थियों को सिंगल क्लिक से जारी की 303 करोड़ की राशि**







**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बच्चों को बेहतर शिक्षा देना राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए सरकार के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है। मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए पहले मां सरस्वती को प्रसन्न करना पड़ता है, अर्थात् विद्यार्थियों के लिए मन लगाकर पढ़ाई में मेहनत करना जरूरी है। बच्चे खूब पढ़ें, आगे बढ़ें, इसके लिए सरकार हर समय विद्यार्थियों के साथ खड़ी है। राज्य सरकार सभी विद्यार्थियों को त्वरित रूप से सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सुखद परिणाम है कि प्रदेश में सामान्यतः छात्रवृत्ति अप्रैल के महीने में सत्र खत्म होने पर मिलती थी, वह अब अक्टूबर माह में ही विद्यार्थियों के खातों में जारी की जा रही है। पात्र विद्यार्थियों को स्कूटी, लैपटॉप, ड्रेस और साइकिल आदि भी समय पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रदेश के 52 लाख से अधिक विद्यार्थियों के बैंक खातों में समेकित छात्रवृत्ति योजना की 300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि सिंगल क्लिक से जारी की जा रही है। आज देव दीपावली से पहले विद्यार्थियों की दीपावली मन रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समेकित छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत राशि अंतरण के लिए मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक से विद्यार्थियों के खातों में राशि जारी की। इस अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा मंत्रीगण का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम से प्रदेश के सभी जिले वर्चुअली जुड़े।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में शिक्षा व्यवस्था में नई पहल की जा रही है। प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना की जा रही है। देश में सबसे अच्छे शासकीय विद्यालय मध्यप्रदेश में बने हैं। गत माह ही राज्य सरकार द्वारा शिक्षा का अधिकार के अंतर्गत निजी स्कूलों में पढ़ने वाले 8 लाख 50 हजार विद्यार्थियों की फीस की प्रतिपूर्ति की गई। प्रदेश के निजी विद्यालयों में 20 प्रतिशत सीटों पर जरूरतमंद परिवार के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। प्रदेश में 369 सांदीपनि विद्यालय, 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेज तैयार हो रहे हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने कक्षा 6 और 9वीं के 4 किमी दूर रहने वाले 1 करोड़ विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिलें वितरित की हैं। बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 5 लाख विद्यार्थियों को लैपटॉप दिए गए हैं। विद्यार्थियों को नीट, क्लेट, जेईई सहित सभी प्रकार की कोचिंग भी निःशुल्क प्रदान करने के लिए योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को डॉक्टर, इंजीनियर, वकील बनने के साथ उद्यमी बन लोगों को रोजगार देने वाला बनने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी के लिए विद्यार्थियों को सार्वजनिक जीवन में सक्रिय होना चाहिए।

# चक्रवात मोन्था कमजोर पड़ा लेकिन नेपाल तक है असर

**यूपी-बिहार में बारिश,एमपी में तेज हवाओं से तापमान गिरा**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** चक्रवात मोन्था लगातार कमजोर हो रहा है। लेकिन, इसका असर कई राज्यों में देखा जा रहा है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार में भी बारिश जारी है। यूपी के लखनऊ-कानपुर समेत 15 शहरों में बारिश हो रही है। काशी में बारिश से जलभराव हो गया है। बुधवार को मध्य प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई। वहीं, भोपाल, इंदौर-उज्जैन में तेज हवा चली। इससे तापमान में कमी आई है। उज्जैन में तापमान 23 डिग्री पहुंच गया। राजस्थान



के जयपुर, अलवर, करौली सहित कई जिलों में गुरुवार सुबह तेज बूंदाबांदी हुई। इससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। इधर, चक्रवात मोन्था ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उड़ीसा में काफी नुकसान किया है। आंध्र प्रदेश में तीन लोगों की मौत हो गई, 42 मवेशी मारे गए और करीब 1.5 लाख एकड़ में खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं। तेलंगाना के कई हिस्सों में तेज बारिश जारी है। सूर्यापेट में पेड़ गिरने से बाइक सवार की मौत हो गई। खम्मम जिले में एक ट्रक ड्राइवर के बह जाने की भी खबर है। उधर, नेपाल में चक्रवात 'मोन्था' का असर है।

# इसे कहते हैं मास्टर स्ट्रोक ! भारत ने कर दिया 'खेला'

● दोस्त रूस को मिली सौगात तो अमेरिका के उड़ गए होश ● ताजिकिस्तान एयरबेस छोड़ा तो दोस्त को मिला बड़ा गिफ्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ताजिकिस्तान के आयनी एयरबेस से भारत ने अपना बोरिया-बिस्तर समेट लिया है। एक समय यह एयरबेस भारत के लिए एक लॉजिस्टिक्स हब की तरह काम करता था। अफगानिस्तान में तालिबान की एंट्री के बाद 2022 में भारत और ताजिकिस्तान के बीच हुआ अहम समझौता खत्म हो गया था। इसके साथ ही, अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे और नॉर्दर्न अलायंस के पतन से इस बेस की जरूरत भी खत्म हो गई। अब इस बेस की कमान रूसी सेना ने संभाल ली है। भारत ने 2023 की शुरुआत तक आयनी एयरबेस से अपना सारा सामान और सैनिक वहां से हटा लिए थे। हालांकि इससे पहले इस बेस पर भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर तैनात थे। साथ ही, हेलीकॉप्टरों की मरम्मत और रखरखाव का



सामान भी यहीं रखा जाता था। जब अफगानिस्तान में नॉर्दर्न अलायंस मजबूत था, तब भारत इस बेस का खूब इस्तेमाल करता था। **भारत के मास्टरस्ट्रोक से अमेरिका के उड़े होश-** इस हॉस्पिटल में नॉर्दर्न अलायंस के घायल अफगान योद्धाओं का इलाज होता था। लेकिन, फखर बेस को करीब 2008 में बंद कर दिया गया था। इसके बाद आयनी बेस की स्थापना की गई थी। वहीं भारत ने जैसे ही ताजिकिस्तान के आयनी एयरबेस को छोड़ने का फैसला लिया तो दोस्त रूस के लिए राहें खुल गईं। उसे बड़ा बड़ा गिफ्ट मिल गया।

## मुंबई में 17 बच्चों को बंधक बनाने वाले का एनकाउंटर, ऑडिशन के बहाने बुलाया था, सभी बचाए गए

**मुंबई (एजेंसी)।** मुंबई के पवई इलाके के रा स्टूडियो में गुरुवार को 17 बच्चों समेत 19 लोगों को बंधक बनाने वाला एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान फायरिंग में आरोपी रोहित आर्या को गोली लगी, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। रोहित ने 1.45 बजे 17 बच्चे, एक सीनियर सिटिजन और एक नागरिक को बंधक बनाया था। पुलिस और स्पेशल कमांडो ने एक घंटे की कार्रवाई में सभी बंधकों को सुरक्षित बचा लिया।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 30 °c
न्यूनतम 25°c

# सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

# चाबहार पर भारत की बड़ी जीत, यूएस ने बढ़ाई छूट

## अप्रैल 2026 तक नहीं लगेंगे प्रतिबंध,यूएस का ऐलान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। अमेरिका ने ईरान स्थित चाबहार पोर्ट परियोजना के लिए प्रतिबंधों से छूट की अवधि को अप्रैल 2026 तक बढ़ा दिया है, जिससे भारत को मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक अपनी कनेक्टिविटी योजनाओं को जारी रखने में बड़ी राहत मिली है। यह छूट पहली बार 2018 में ईरान फ्रीडम एंड काउंटर-प्रोलिफरेशन एक्ट के तहत दी गई थी। हाल ही में जब अमेरिका ने इस छूट को रद्द करने के संकेत दिए थे, तो नई दिल्ली में चिंता बढ़ गई थी लेकिन अब ताजा विस्तार के साथ भारत पोर्ट के संचालन को बिना किसी तत्काल अमेरिकी प्रतिबंध के डर के जारी रख सकेगा।

चाबहार पोर्ट ईरान के दक्षिण-पूर्वी तट पर गल्फ ऑफ ओमान के किनारे स्थित है और यह ईरान का एकमात्र महासागर से जुड़ा बंदरगाह है। यह भारत, ईरान और अफगानिस्तान के बीच एक रणनीतिक गलियारा बन गया है। यह बंदरगाह पाकिस्तान को बायपास करते हुए भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया से जोड़ता है। भारत ने अब तक अफगानिस्तान को गेहूं और यूरिया की कई खेपें चाबहार के रास्ते भेजी हैं, जो मानवीय सहायता के तौर पर वहां पहुंचाई गईं। मई 2024 में भारत और ईरान के बीच 10 साल का समझौता हुआ था, जिसके तहत भारत ने चाबहार के शहीद बेहेश्ती टर्मिनल के विकास में अब तक 120 मिलियन डॉलर का निवेश किया है।

### 'गोल्डन गेट' के रूप में उभरता चाबहार

चाबहार पोर्ट अफगान सीमा से लगभग 950 किलोमीटर दूर है और इसे भारत द्वारा गोल्डन गेट के रूप में देखा जाता है- ऐसा प्रवेशद्वार जो स्थल-रुद्ध देशों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए भारतीय महासागर से जोड़ता है। यह निर्णय भारत-अमेरिका संबंधों में संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। अमेरिका, जहां ईरान पर अपने प्रतिबंधों को लेकर सख्त नीति अपनाता है, वहीं भारत की रणनीतिक और मानवीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना को छूट देता रहा है।

# एनडीए को जिताएं कि इटली तक लगे झटका

● लालू के जंगलराज में हुईं 32 हजार किडनैपिंग ● राहुल ने प्रचार में छठ मइया का अपमान किया

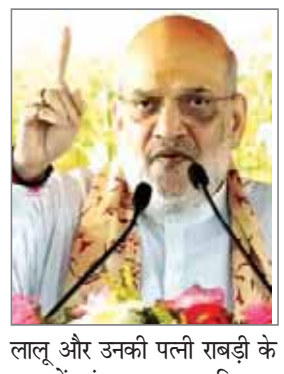

**पटना (एजेंसी)।** केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लखीसराय में ;चुनावी सभा को संबोधित किया। शाह ने कहा कि राहुल बाबा ने बिहार में आकर छठ मइया का अपमान किया है। बिहार के लोग इसका बदला लेंगे। राहुल बाबा छठ मइया को आप और आपकी माता जी नहीं समझ पाएंगी। आपके कार्यकर्ताओं ने मोदी जी की माता जी को अपमानित किया और आपने छठ मइया का अपमान किया है। ये बिहार है जब 14 तारीख को डब्बे खुलेंगे, दूर-दूर तक एनडीए होगा। अमित शाह ने कहा कि बिहार में लालू और उनकी पत्नी राबड़ी के राज में जंगल राज था, जिसका खात्मा नीतिश कुमार ने किया। अमित शाह ने कहा कि लालू-राबड़ी राज में 32 हजार किडनैपिंग हुई थीं। इसके अलावा 12 बड़े नरसंहार हुए थे।

## हर पाकिस्तानी जिले में महिला आतंकी सेंटर खोलेगा मसूद अजहर

● कहा-इसमें शामिल महिलाओं को जन्नत मिलेगी

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** आतंकी सगठन जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर पाकिस्तान के हर जिले में महिला आतंकी सेंटर की ब्रांच खोलेगा। यहां आतंकी बनने के लिए 15 दिन का कोर्स चलेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हर ब्रांच की हेड

डिस्ट्रिक्ट मुंतेजिमा होगी, जो लोकल महिलाओं को भर्ती करेगी। इसके लिए सख्त नियम भी बनाए गए हैं, जिनके तहत ब्रिगेड में शामिल महिलाएं फोन या मैसेंजर पर किसी अनजान मर्द से बात नहीं करेंगी। अजहर ने दावा किया है कि जो महिला इस विंग में शामिल होगी उसको कब्र से सीधे जन्नत मिलेगी। उसने कहा कि पुरुष लड़ाके महिलाओं के साथ मिलकर काम करेंगे और दुनिया भर में इस्लाम फैलाएंगे। अजहर ने 21 मिनट का ऑडियो जारी कर महिलाओं को भर्ती करने, ट्रेनिंग देने और 'ग्लोबल जिहाद' में इस्तेमाल करने का पूरा प्लान बताया है।

## एनर्जी ने किया पावर प्लांट अधिग्रहण

**हैदराबाद।** एमईआईएल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एमईआईएल एनर्जी) ने अबू धाबी नेशनल एनर्जी कंपनी पीजेएससी (टाका) से टाका नेवेली पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का 100 फीसदी अधिग्रहण कर लिया है। तमिलनाडु के नेवेली में स्थित यह 250 मेगावॉट क्षमता वाला लिग्नाइट आधारित पावर प्लांट राज्य की बिजली कंपनी को लगातार सप्लाई दे रहा है।

इस अधिग्रहण से एमईआईएल की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 5.2 गीगावॉट से अधिक हो गई है।एमईआईएल समूह के सीएफओ सलील कुमार मिश्रा ने कहा कि यह अधिग्रहण कंपनी की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत एमईआईएल अपने ईपीसी कार्यों के साथ ऊर्जा परिसंपत्तियों का मालिक और संचालक दोनों बनना चाहती है। कंपनी थर्मल, हाइड्रो और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में टिकाऊ और भरोसेमंद परियोजनाएँ विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

# वो 50 प्रतिशत हुए तो, ब्रज में वही टोपी वाले दिखेंगे

## धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- अगले 15 से 20 सालों में भारत की जियोग्राफी बदल जाएगी

**खजुराहो (नप्र)।** बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, आज वो 20 परसेंट हैं, आप 9 राज्यों में अल्पसंख्यक हो गए। जिस दिन वो 50 परसेंट पहुंच जाएंगे, तो आपके ब्रज में भी वही टोपी वाले दिखाई पड़ेंगे।

हालांकि, उन्होंने तुरंत स्पष्ट किया कि उन्होंने यह नहीं कहा कि कौनसी टोपी वाले, क्योंकि वह खुद भी टोपी लगाते हैं। भारत को बचाना है, अपनी संस्कृति को बचाना है, तो जातिवाद और भेदभाव से ऊपर उठकर हमको सनातनी बनना है।

बुधवार को हरियाणा के होडल में थे। यहां उन्होंने गोपाष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी पदयात्रा को रोकने की धमकी देने वालों को चेतावनी दी। लोग यात्रा रोकने के लिए कोर्ट जाने की धमकी दे रहे हैं। उन्हें पता ही नहीं है कि हम बहुत टेढ़े आदमी हैं। उन्हें छेड़ना नहीं चाहिए था, छेड़ा है तो हम छोड़ेंगे भी नहीं। अगले 15 से 20 सालों में भारत की जियोग्राफी बदल जाएगी और भारतीय लोग अपनी संस्कृति बचाने

के लिए संघर्ष करते दिखाई पड़ेंगे।

**कोसीकलां दंगे की याद दिलाई-** धीरेंद्र शास्त्री ने हरियाणा के लोगों को 2012 के कोसीकलां दंगे की याद दिलाते हुए कहा- तुम्हारे ही कोसीकलां में हिंदुओं को निर्वस्त्र कर सड़कों पर दौड़ाया था। हम तो अपनी जान की बाज़ी हथेली पर लेकर निकले हैं, तुम्हारे लिए।

**क्या है मामला-** आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक दामोदर यादव ने मंगलवार को ग्वालियर में धीरेंद्र शास्त्री पर 'आडंबर और पाखंड' फैलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि शास्त्री ने जिस यात्रा की घोषणा की है, उसका उद्देश्य 'हिंदू राष्ट्र' बनाना है, जो भारत के धर्मनिरपेक्ष संविधान के विरुद्ध है। इसे 'राष्ट्रद्रोही' कृत्य की श्रेणी में रखा जा सकता है। यादव ने अपनी बात दोहराते हुए यात्रा को रोकने की मांग की थी और इस संबंध में राष्ट्रपति को पत्र लिखने तथा भोपाल में एक बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी भी दी थी।

## जेपी अस्पताल के नवनिर्मित भवन में शीघ्र चिकित्सा सेवाएं शुरू करें : शुक्ल

**भोपाल।** उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल जयप्रकाश जिला चिकित्सालय (जे.पी. अस्पताल) भोपाल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। शुक्ल ने चिकित्सालय में स्वच्छता व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता, मरीजों के उपचार की प्रक्रिया और चिकित्सकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित

करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल के सभी प्रमुख विभागों के चिकित्सकों से वन-टू-वन चर्चा कर सेवाओं की गुणवत्ता का फीडबैक लिया और मरीजों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अस्पताल के नवनिर्मित भवन में चिकित्सा सेवाएं शीघ्र प्रारंभ की जाएं, ताकि मरीजों को और अधिक सुसंगठित एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित भवन का शीघ्र उपयोग प्रारंभ किया जाए और आवश्यक संसाधन एवं उपकरण की समय पर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल में संचालित प्रसूति सेवाओं, बच्चों के उपचार हेतु पी.आई.सी.यू. एवं एस.एन.सी.यू., जनरल सर्जरी, ईएनटी, आर्थोपेडिक सर्जरी, दंत सेवाओं, नेत्र सेवाओं और जनरल मेडिसिन विभाग की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री ने टेलीमेडिसिन सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श की सुविधा उनके नजदीकी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर ही उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें उच्चस्तरीय चिकित्सा परामर्श के शहरों पर निर्भर न रहना पड़े।

# पीएम ने बटन दबाया और सीएम बोलने लगते हैं

● राहुल बोले-मोदी के हाथ में है नीतिश का रिमोट कंट्रोल ● कांग्रेस नेता ने कहा-बिहार को बदलने का दावा पूरा झूठा

**नालंदा (एजेंसी)।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी नालंदा के नूरसराय में गुरुवार को सभा की। उन्होंने कहा, बिहार का युवा सपना देखता है कि इंजीनियर बनूंगा, डॉक्टर बनूंगा। मां-पिता के पास जाता है और कहता है कि मुझे पढ़ाई करनी है। महीनों की मेहनत के बाद परीक्षा के एक दिन पहले पेपर लीक हो जाता है और बिहार का ईमानदार युवा देखता रह जाता है। नीतिश कुमार कहते हैं कि 20 साल में बिहार को बदल दिया। लेकिन मैं पूछता हूं कि क्या बिहार में अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य मिल सकता है। बिहार के अस्पतालों में लोग जीने

नहीं मरने जाते हैं। दूसरी तरफ पीएम मोदी खड़े हैं। पीएम के हाथ में नीतिश का रिमोट है। नीतिश से जो करवाना है पीएम करवा देंगे। बिहार को नीतिश नहीं चलाते हैं। सरकार अमित शाह-मोदी चलाते हैं।

**दुबई बना सकते हैं तो बिहार क्यों नहीं-** राहुल गांधी ने कहा, मैं बिहार के युवाओं से सवाल पूछना चाहता हूं। मैं देश के किसी भी प्रदेश में जाता हूं तो वहां मुझे बिहार के लोग दिखाई देते हैं। दुबई जैसी जगह को आपने अपने खून पसीने से बनाया है। मेरा आपसे सवाल है कि जब आप दुबई और बेंगलुरु जैसा शहर बना सकते हो तो ये बिहार में क्यों नहीं कर पाते हो।

● **राहुल गांधी बोले- वोट के लिए ड्रामा करते हैं मोदी-** राहुल बोले- मोदी छठ पूजा का ड्रामा कर रहे, यमुना की बजाए स्विमिंग पुल में नहाते हैं राहुल गांधी ने छठ पर्व पर यमुना नदी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा है कि मोदी जी छठ पूजा का ड्रामा कर रहे हैं और यमुना नदी में नहाने के बजाय एक स्विमिंग पूल में नहाने गए थे। राहुल ने आरोप लगाया कि यह छठ पूजा वोट हासिल करने के लिए किया गया नाटक है और मोदी वोट के लिए मंच पर नाच भी सकते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी को छठ पूजा या बिहार की परंपरा से कोई लेना-देना नहीं है, उनका मकसद केवल वोट लेना है। राहुल ने यह भी कहा कि मोदी जी जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रखते, सिर्फ प्रचार और सत्ता में बने रहने में लगे रहते हैं। राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी ट्रंप से डरते हैं। 50 बार अमेरिकी राष्ट्रपति ने बोला है।

● **चीन के लोग 'मेड इन बिहार' चीजें इस्तेमाल करें-** मुझे बताइए आपके फोन के पीछे क्या लिखा है। मेड इन चाइना। लेकिन मेड इन चाइना नहीं, मेड इन बिहार होना चाहिए। हम चाहते हैं चीन के लोग मेड इन बिहार की चीजें खरीदें। मोबाइल, शर्ट, पैंट, ये सब बिहार में बनने चाहिए और बिहार के युवाओं को उन कारखानों में रोजगार मिलना चाहिए। बिहार के लोग बाहर क्यों जाएं। दूसरे राज्यों के लोगों को बिहार आना चाहिए। बिहार के भागलपुर में अडाणी को 1 रुपए में जमीन दे दी गई। लेकिन इसकी चर्चा तक नहीं हो रही है।

## दो बच्चों की हत्यारिन मां को आजीवन कारावास

### मात्र 20 दिन के नवजात बच्चों को मार के फेंक आई थी

**भोपाल।** राजधानी की एक अदालत ने 20 दिन के नवजात जुड़वा बेटों को मारने वाली हत्यारिन मॉ को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। 12वें अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयंत शर्मा ने निर्णय सुनाते हुए हत्या करने वाली मॉ सपना धाकड़ को धारा 302, 201 भादवि एवं धारा 302 भादवि मे आजीवन कारावास एवं 2,000 अर्थदण्ड एवं धारा 201 में 05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1,000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने का निर्णय पारित किया है।

**घटना का संक्षिप्त विवरण** -दिनांक 05/09/22 को 1250 अस्पताल भोपाल में सपना को जुड़वा बेटे हुये थे। 8-10 दिन बाद डिस्चार्ज होकर सपना घर आ गई थी। दिनांक 22-23/09/22 की रात में अपने दोनों बच्चों को लेकर सुबह करीब 5.30 बजे सास तथा पति को बिना बताये अपने मायके ग्राम सुहाश तहसील बैरसिया के लिये निकली। सपना पैदल पैदल कोलार तिराहे से रंगमहल चौराहा तक दोनों बच्चों को लेकर आई थी। रंगमहल चौराहा रेन्बो हास्पिटल की बाऊंड्री वाल के पास फुटपाथ पर दोनों बच्चों को एक ठेले के पास लिटाकर रोड क्रास कर सामने बाथरूम करने गई थी। वापस आकर देखा तो दोनों बच्चे वहां नहीं थे। दोनों बच्चे लाल रंग के कम्बल में लपेटे हुये हैं तथा पिंक कलर की कपड़े पहने है एक बच्चे की गर्भनाल लगी हुई है।

मेरे बच्चों का किसी अज्ञात व्यक्ति ने अपहरण कर लिया है। मेरे पति ब्रजमोहन धाकड़ को फोन पर मैंने सूचना दी तब मेरे पति रंगमहल चौराहा आये और मैं अपने पति ब्रजमोहन धाकड़ के साथ रिपोर्ट करने थाने आई हूँ कि रिपोर्ट विवेचना अपराध सदर मे सपना धाकड़ से लगातार विस्तृत पूछताछ की गयी एवं कोलार तिराहा, रंगमहल चौराहा, हबीबगंज थाने के पास लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज देखने पर सपना घर से बच्चों सहित जाना दिखी परन्तु हबीबगंज थाना चौराहा स्थित अेरेा पेट्रोल पम्प के सीसीटीव्ही कैमरों में बच्चे सहित नहीं दिखी वहां पर बिना बच्चों के आती दिखाई दी तब सपना से लगातार पूछताछ करने पर कि कोलार तिराहा से हबीबगंज चौराहा के बीच बच्चे कहीं गायब किए गए है तब घटना समय के अनुसार एक बस के कैमरे देखने पर सपना सिटी बस में बिना बच्चों के बस में प्रवेश करती हुई दिखने पर सपना ने विस्तृत पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया। निशादेही पर पुलिस ने नवजात दोनों शिशुओं के शव मल्टी न. 6/12, 6/13 के बीच खाली प्लाट की झाडिया रविशंकर नगर हबीबगंज भोपाल से बरामद किया।

**निर्णय के दौरान कहीं गई बातें**

एक मां द्वारा ऐसा दुस्साहसपूर्ण कृत्य मां एवं पुत्र के मध्य स्थापित पवित्र रिश्ते की मर्यादा को छिन्न-भिन्न करने वाला है। कोई भी मां बिना किसी भेदभाव के अनवरत् उन बच्चों को पहले नौ माह तक अपने गर्भ में और उसके बाद संसार में जीवित रखने हेतु संघर्षरत् रहती है, इसी कारण मां दुर्गा की आरती में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि 'पूत कपूत सुने हैं पर ना माता सुनी कुमाता' इस प्रकार अभियुक्त द्वारा किया गया अपराध केवल नवजात बच्चों के विरूद्ध किया गया अपराध नहीं है, अपितु यह अपराध संसार की समस्त माताओं के विरूद्ध किया गया अपराध भी है। निश्चित रूप से हस्तगत मामला विरल मामला है और अभियोजन द्वारा उचित रूप से मृत्युदण्ड की मांग की गई है, किंतु इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि ऐसी क्या मजबूरी रही होगी कि एक मां ने अपने दो बच्चों को मारकर उनके शवों को जानवरों का निवाला बनाने के लिए फेंक दिया।

## रूस ने टॉरपीडो 'पोसाइडन' का कर लिया सफल टेस्ट

● परमाणु क्षमता वाली ,रेडियोऐक्टिव समुद्री लहरें पैदा करता है ● किनारे बसे इलाके पलभर में तबाह कर सकता है पोसाइडन

**मॉस्को (एजेंसी)।** राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बताया कि रूस ने एक नए परमाणु हथियार पोसाइडन टॉरपीडो का कामयाब टेस्ट किया है। ये टॉरपीडो समुद्र में रेडियोएक्टिव लहरें पैदा करता है, जिससे किनारे के शहर रहने लायक नहीं बचते। इस टॉरपीडो को पनडुब्बी से छोड़ा जाता

है। ये आटोमैटिक है और न्यूक्लियर हथियार ले जा सकता है। उन्होंने ये भी बताया कि पोसाइडन की ताकत रूस की सबसे ताकतवर मिसाइल सरमत से भी ज्यादा है। पुतिन ने मंगलवार को यूक्रेन युद्ध में घायल सैनिकों से मुलाकात के दौरान इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई दूसरा हथियार नहीं है। पोसाइडन की खास बात यह है कि इसके अंदर अपनी खुद की न्यूक्लियर फ्यूल यूनिट लगी होती है। यानी इसे ईंधन भरने की जरूरत नहीं पड़ती और यह लगभग अनलिमिटेड दूरी तक चल सकता है।

# मोदी सरकार की लेबर पॉलिसी के ड्राफ्ट में 'मनुस्मृति'

## जिक्र पर मचा बवाल,कांग्रेस बोली-आरएसएस यही चाहता है

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अक्सर राजनीतिक बहस का कारण बनने वाली मनुस्मृति एक बार फिर से चर्चा में है। इसकी वजह यह है कि केंद्र सरकार की ओर से तैयार की गई लेबर पॉलिसी, 2025 के ड्राफ्ट में इसका जिक्र किया गया है। इस ड्राफ्ट में बताया गया है कि मनुस्मृति में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि कैसे मजदूरी तय होनी चाहिए और कैसे श्रमिकों के हितों की रक्षा होनी चाहिए। ड्राफ्ट में कई ग्रंथों का जिक्र किया गया है, लेकिन मनुस्मृति को लेकर जिस तरह का विवाद रहा है, उससे आशंका है कि इस पर चर्चा छिड़ सकती है। ड्राफ्ट में लिखा गया है कि श्रम के बारे में भारत की समझ इसके आर्थिक आयाम से कहीं आगे तक जाती है। यह एक पवित्र और नैतिक कर्तव्य का प्रतीक है।

## कांग्रेस बोली-संघ को मनुस्मृति सबसे ज्यादा पसंद है

इसके अलावा शुक्रनीति का उल्लेख करते हुए लिखा गया है कि किसी कर्मचारी को सुरक्षित और मानवीय माहौल प्रदान करना नियोक्ता का कर्तव्य है। वहीं इस मामले पर विपक्ष हमलावर हो गया है। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस पर आपत्ति जताई है और कहा कि जातिभेद करने वाली मनुस्मृति का जिक्र करना गलत है। इससे पता चलता है कि इनके मूल्य क्या हैं और ये कैसा समाज बनाना चाहते हैं। कांग्रेस के सीनियर लीडर जयराम रमेश ने हमला बोलते हुए कहा कि मनुस्मृति के सिद्धांतों की ओर यह वापसी आरएसएस की सबसे प्रिय परंपराओं के अनुरूप है। आखिरकार, संविधान के अपनाए जाने के तुरंत बाद आरएसएस ने इस आधार पर संविधान पर हमला किया था कि भारतीय संविधान मनुस्मृति में निहित मनु के आदर्शों और मूल्यों से प्रेरणा नहीं लेता है।

### ड्राफ्ट पॉलिसी में किन-किन ग्रंथों का हुआ है जिक्र

इसके आगे ग्रंथों का जिक्र करते हुए लिखा गया है, मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति, नारदस्मृति, शुक्रनीति और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों ने राजधर्म की अवधारणा के माध्यम से श्रम की परिभाषा तय की है। इनमें न्याय, उचित मजदूरी और श्रमिकों को शोषण से बचाने के लिए कर्तव्यों पर जोर दिया गया है। इन प्रारंभिक सूत्रों ने आधुनिक श्रम कानून के उदय से सदियों पहले भारत के सभ्यतागत ताने-बाने में श्रम शासन के नैतिक आधार को अंतर्निहित कर दिया था। इस ड्राफ्ट में कहा गया है कि हमारे ग्रंथों में शुल्क न्याय की बात थी। इसमें बताया गया था कि कैसे किसी मजदूर को समय पर उसका वेतन मिलना जरूरी है और यह एक न्याय है। ऐसा ना किया जाना अन्याय की श्रेणी में रखा गया था।

## चंदन नगर रिंग रोड पर लकड़ी से भरा आयशर पलटा, भीड़ उमड़ी

**इंदौर।** चंदन नगर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह बड़ा हादसा टल गया। रिंगरोड स्थित श्रीजी वाटिका के सामने लकड़ी से भरा एक तेज रफ्तार आयशर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराया और पलट गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आयशर में भरी लकड़ियां सड़क पर बिखर गईं और डिवाइडर पर लगा हरा-भरा पेड़ जड़ से उखड़ गया। हादसे के तुरंत बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर देखने के लिए भारी संख्या में लोग जमा हो गए। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं,जिससे यातायात कुछ समय के लिए बाधित हो गया। सूचना मिलते ही द्वारकापुरी पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था को सुचारू करने में जुट गई। क्रेन की मदद से पलटे वाहन को सड़क से हटाया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आयशर वाहन अत्यधिक गति से आ रहा था, जिसके कारण मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया और यह दुर्घटना हो गई। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने चालक की तलाश शुरू कर दी है और घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

### सवा पांच लाख की ड्रग्स बरामद

**इंदौर।** पुलिस द्वारा लगातार मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच ने दिलपसंद ग्रीन मल्टी स्कीम नंबर 140 पुरानी चौपाटी क्षेत्र से युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 52.34 ग्राम एमडी ड्रग बरामद हुआ है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 5,23,400 रुपए आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रियाज उर्फ सोनू खान निवासी ताज नगर खजराना के रूप में हुई है। आरोपी दैनिक वेतन पर गाड़ी चलाता है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह सस्ते दामों पर ड्रग्स खरीदकर नशे के आदी लोगों को ऊंचे दामों में बेचता था।

### मदद की फाइल रोकने पर रीडर सस्पैंड

**इंदौर।** परिजन की मृत्यु के बाद आर्थिक सहायक की फाइल रोकने रीडर को महंगा पड़ गया। शिकायत के बाद कलेक्टर शिवम वर्मा ने रीडर को सस्पेंड कर दिया है। फाइल रोकने की शिकायत जनसुनवाई में आई थी। पीड़ित युवक ने बताया कि कुछ दिन पहले मेरी मां भगवती बाई का निधन हो गया था। निधन के बाद सोलेशियन फंड की मदद का प्रस्ताव देपालपुर तहसील में लगाया था। आवेदन के बाद आर्थिक सहायता के लिए युवक भटकता रहा। लेकिन, तहसील के ग्रेड 3 के रीडर महेन्द्र प्रतापसिंह ने फाइल को आगे नहीं बढ़ाया। इस तरह 57 दिन बीत गए। परेशान होकर युवक मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचा और कलेक्टर शिवम वर्मा के समक्ष अपनी पीड़ा व्यक्त की। कलेक्टर ने रीडर को बुलाकर फाइल के बारे में पूछताछ की तो वह टालमटोली करने लगा। इसके बाद कलेक्टर ने पीड़ित युवक को रेडक्रास सोसायटी से आंशिक मदद कराई और रीडर को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। वहीं, पीड़ित को आश्वस्त किया कि आवश्यक आर्थिक सहायता राशि जल्द उपलब्ध करा दी जाएगी।

### बछड़े को चना-गुड़ खिलाया

**इंदौर।** गोपाष्टमी के उपलक्ष में विहिप गौरक्षा विभाग मालवा प्रांत गोभक्त ने हंसदास मठ गौशाला में बछड़े का पूजन कर चना, गुड़, हरी घास खिलाई। गौमाता और बछड़े के साथ सभी बहनों ने मंदिर प्रांगण में परिक्रमा की। इस अवसर पर महामंडलेश्वर पवन दास महाराज का आशीर्वचन बहनों को प्राप्त हुआ। गोपाष्टमी के पूजन पर सभी बहनों ने संकल्प लिया कि वह प्रतिदिन गौमाता की सेवा के लिए तत्पर रहेंगी और देशी गौमाता से प्राप्त उत्पादकों का ही उपयोग अपने दैनिक जीवन में करेंगे। आयोजन में पंडित जयदीप दुबे, प्रांत गौभक्त प्रमुख मोनिका शर्मा, सपना शर्मा आदि उपस्थित थी।

### प्रतिभाशाली युवाओं और विद्यार्थियों का सम्मान

**इंदौर।** इंदौर मेड़तवाल समाज ने विशिष्ट विद्यार्थियों, प्रतिभावान युवाओं और युवा इंटरप्रेन्योर का अभिनंदन किया गया। इन्होंने सीए., आईआईटी, आईआईएम, डॉक्टर, राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्पधाओं और उद्यमिता में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले युवाओं का अभिनंदन किया। समाज के प्रबुद्ध वरिष्ठजन श्रीनाथ गुप्ता सह कार्यवाह मालवा प्रांत पुरुषोतम गुप्ता, मोहनलाल गुप्ता, जगदीशचंद्र सर्राफ, जगदीशचंद गुप्ता, लक्ष्मीनारायण मेड़तवाल का मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, समाजसेवी जगदीश गोयल ने किया। समाज सचिव लक्ष्मीनारायण मेडतवाल ने उल्लेख किया कि समाज की मातृशक्ति द्वारा निःशुल्क अद्भुत संस्कृतिक भजन तंबोला का आयोजन किया। पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय भी भजन गाने से खुद को रोक नहीं पाए।

### सास से घर में घुसकर मारपीट की, पुलिस ने बहू पर केस दर्ज किया

**इंदौर।** लसूड़िया इलाके में पारिवारिक विवाद के चलते महिला ने अपनी सास के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने सास की शिकायत पर बहू के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वहीं, बहू द्वारा सोशल मीडिया पर पुलिस पर पैसे लेकर कार्रवाई करने के लगाए गए आरोपों की जांच में वे पूरी तरह गलत पाए गए। फरियादी कनकलता सिंघानिया ने बताया कि उनके बेटे नितेश सिंघानिया की शादी गाजियाबाद निवासी रुचि शर्मा से मई 2022 में हुई थी। शादी के कुछ महीनों बाद ही अगस्त में रुचि मायके चली गई, तब से दोनों के बीच विवाद चल रहा है। विवादों के कारण उन्होंने बेटे और बहू दोनों को अपनी संपत्तियों से बेदखल कर दिया था। इसके बावजूद 19 अक्टूबर 2025 की सुबह करीब 9 बजे रुचि अपनी परिचित महिला नंदिनी डोगरा के साथ उनके घर में रसोई के रास्ते जबरन घुस आई। रोकने पर उसने कनकलता से हाथापाई की, जिससे उन्हें चेहरे पर चोट आई और गले की सोने की चेन टूट गई। आरोप है कि रुचि इसके बाद घर के ऊपरी हिस्से में कब्जा करने की नीयत से भीतर से दरवाजा बंद कर बैठ गई। घटना के बाद रुचि ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर खुद को पीड़ित बताया और सास-ससुर पर मारपीट के आरोप लगाए। साथ ही, पुलिस पर पैसे लेकर कार्रवाई करने का भी आरोप लगाया। पुलिस ने जांच में पाया कि 19 अक्टूबर को पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रुचि की बात सुनी थी और उसकी समस्या का तत्काल समाधान किया था। दो दिन बाद खुद रुचि ने एक और वीडियो जारी कर पुलिस के निष्पक्ष व्यवहार की पुष्टि भी की थी। इसलिए उसके द्वारा लगाए गए आरोप निराधार पाए गए। जानकारी के अनुसार, रुचि ने वर्ष 2022 में गाजियाबाद में पति नितेश और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के खिलाफ 376, 354, 420, 498(ए) आईपीसी सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कराया था।

# मिलावट फैक्ट्री पर जिला प्रशासन की छापेमारी, 3400 लीटर घी जब्त किया

**पालदा की श्रीराम मिल्क एंड फूड डेयरी आगामी आदेश तक बंद**

**इंदौर।** जिला प्रशासन, खाद्य औषधि प्रशासन विभाग एवं क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में मिलावटी घी जब्त किया। बताया गया कि यह कार्रवाई श्रीराम मिल्क एंड फूड डेयरी पालदा में की गई। निरीक्षण के दौरान मिलावट पाए जाने पर लगभग 3400 लीटर मिलावटी घी जब्त किया गया। खाद्य अधिकारी मनीष स्वामी ने बताया कि मिलावटी घी के नमूनों का प्रारंभिक परीक्षण इंदौर में हाल ही में उद्घाटित फूड एंड ड्रग लैब के माध्यम से कराया गया, जिसमें गुणवत्ता में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। इंदौर में लैब स्थापित होने से इसका फायदा तुरंत ही प्राप्त हुआ, जिससे जांच प्रक्रिया त्वरित रूप से पूरी की जा सकी। कार्रवाई के दौरान घी निर्माता का कारखाना बंद कराया गया। कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा श्रीराम मिल्क एंड फूड डेयरी पालदा का निरीक्षण किया गया, उक्त प्रतिष्ठान पर घी पैक किया जा रहा था।

उक्त फैक्ट्री पर मदर चॉइस एवं मिल्क क्रीम एवं अन्य ब्रांड के नाम से पैकिंग की जा रही थी। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में कुछ सफेद कलर का फैट भी मिला, जिसकी प्राइमरी जांच तलावली चांदा स्थित नवीन लैब से करवाने पर मिल्क फेट न होकर अन्य फेट की पुष्टि की गयी। उक्त संस्थान से विभिन्न ब्रांड के एवं संग्रहित लूज घी एवं फैट की विस्तृत जांच हेतु राज्य का परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा जा रहा है। उक्त प्रतिष्ठान को अन्य फेट पाए जाने के कारण आगामी आदेश तक बंद किया जा रहा है। उक्त संस्थान से 3400 लीटर घी जब्त किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 17 लाख रुपये है। कलेक्टर ने बताया कि नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मिलावटखोरी के विरुद्ध इस तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। गठित दल के द्वारा पालदा स्थित श्रीराम मिल्क फूड एंड डेरी इंडस्ट्रीज का औचक निरीक्षण किया गया। परिसर मे खाद्य पदार्थ घी का निर्माण एवं पैकिंग किया जाना पाया गया। परिसर में पाए गए घी की तलावली चंदा स्थित नवीन खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला मे प्रारंभिक जाँच करने पर उक्त घी में वनस्पति होना पाया गया है। परिसर मे पाए गए विभिन्न ब्रांड-कैवल्य फ्रेश सुपर देशी घी, सब्हो डिलीशियस देसी घी, डेरी पावर घी, एसआरएमआई मदर चॉइस गाय का घी, एसआरएमआई मदर चॉइस घी, एसआरएमआई मिल्क क्रीम गाय का घी, मिल्क क्रीम देशी घी के विभिन्न पैकिंग के एवं लूज़ घी के कुल 10 नमूने जाँच के लिए लिए गए है तथा लगभग 3400 लीटर घी को जब्त किया गया है। गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर उक्त प्रतिष्ठान मे खाद्य कारोबार को बंद कराया गया है। लिए गए सभी नमूनों को विस्तृत जाँच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल की ओर भेजा जा रहा है, जिनकी विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्ति उपरांत अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

# एसडीएम और तहसीलदारों को एसआईआर का प्रशिक्षण दिया

**पार्टियां मतदान बूथ लेवल अभिकर्ता नियुक्त करेंगे**

**इंदौर।** मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 (एसआईआर) के संबंध में वर्चुअली प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बताया गया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का समयबद्ध क्रियान्वयन प्रारंभ हो गया है। जहां एक और निर्वाचन कार्यालय द्वारा इस कार्य के लिए मतदान केन्द्रवार बूथ लेवल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, वहीं दूसरी और सहयोग के लिए राजनीतिक दल बूथ लेवल अभिकर्ता नियुक्त कर सकते हैं। आम नागरिकों के सहयोग के लिए वॉलेंटियर भी नियुक्त किए जाएंगे। भोपाल से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने दूसरे चरण की एसआईआर की तारीखों की घोषणा कर दी। इसमें मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू होते ही मतदाता सूची फ्रीज कर दी गई है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर जाकर 2003 की मतदाता सूची को देखा जा सकता है। इसके अलावा मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। पुनरीक्षण के दौरान तीन बार बीएलओ घर घर जाकर सर्वे करेंगे।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6, हटवाने के लिए फॉर्म 7 और सुधार या संशोधन के लिए मतदाता को फॉर्म 8 भरना होगा। एसआईआर की प्रक्रिया 7 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस बीच 3 नवंबर तक बीएलओ को ट्रेनिंग दी जाएगी। बीएलओ द्वारा 4 से 4 दिसंबर तक घर-घर जाकर सर्वे किया जाएगा। मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 9 दिसंबर को किया जाएगा। दावा आपत्तियों के आवेदन 9 दिसंबर से 9 जनवरी तक लिए जाएंगे। दस्तावेजों का सत्यापन 9 दिसंबर से 31 जनवरी तक किया जाएगा। इसके बाद 7 फरवरी को फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

## कड़ाके की सर्दी के लिए इंतजार अभी गुलाबी ठंड का आनंद लें

**मावठा गिरने के बाद भी तापमान में लगातार बढ़ोतरी**

**इंदौर।** ठंड का मौसम शुरू हो चुका है। जिले सहित शहर में पिछले तीन दिनों से रुक-रुककर मावठा गिर रहा है। हालांकि, इसके बावजूद तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। मंगलवार को भी मौसम ने करवट बदली। सुबह तेज धूप रही, जबकि दोपहर बाद कई इलाकों में बारिश भी हुई। दिन का अधिकतम तापमान 6 डिग्री बढ़कर 29.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सामान्य से 2 डिग्री कम है। वहीं रात का तापमान भी 2 डिग्री बढ़कर 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे दिन और रात दोनों समय हल्की गर्माहट महसूस हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, अक्टूबर में अब तक करीब 5 इंच बारिश हो चुकी है, जो इस महीने के औसत से कहीं अधिक है। आमतौर पर अक्टूबर में इतनी बारिश नहीं होती। विभाग का अनुमान है कि महीने के बचे हुए दिनों में भी कहीं-कहीं हल्की बरसात जारी रह सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, मध्य प्रदेश से मानसून की आधिकारिक विदाई के बावजूद दो मौसम प्रणालियां सक्रिय हैं। एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी भारत में असर दिखा रहा है, जबकि अरब सागर में बना डिप्रेशन और उससे जुड़ी ट्रफ लाइन प्रदेश के मध्य हिस्सों को प्रभावित कर रही है।इसके अलावा एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी सक्रिय है, जिससे अगले चार दिन तक मौसम में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि ठंड के आगमन के लिए इंदौर को अभी कुछ और इंतजार करना होगा।

## शहर में चाइल्ड पोर्नोग्राफी फैलाने वाले 2 आरोपी प. बंगाल से धराए

**साइबर सेल की बड़ी कार्रवाई, दोनों एनजीओ में कार्यरत**

**इंदौर।** राज्य साइबर सेल ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़ी गंभीर शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी एनजीओ में हाउस ब्रदर के रूप में कार्यरत थे, जहां गरीब और ट्राइबल बच्चों को निःशुल्क शिक्षा और आवास सुविधा दी जाती है। मामले में सेल ने लक्ष्मीकांत पिता अरुण बागड़ी निवासी अगर गड़बेटा, पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल तथा प्रदीप पिता मधई बागड़ी निवासी पश्चिम मेदिनीपुर को पकड़ा। पुलिस के अनुसार, भारत सरकार के सीसीपीडब्ल्यूसी प्रोजेक्ट (साइबर क्राइम प्रीवेंशन अगेन्स्ट वूमन एंड चिल्ड्रन) के तहत एनसीएमई पोर्टल के माध्यम से शिकायत मिली थी कि मोबाइल नंबर 6297240663 से नाबालिग बच्चों के अश्लील वीडियो डाउनलोड और अपलोड किए जा रहे हैं। जांच के दौरान उक्त नंबर से जुड़ी ईमेल आईडी से 15 आपत्तिजनक वीडियो रिकवर किए गए।

**लोकेशन खातेगांव की मिली-** लोकेशन ट्रैक करने पर पता चला कि अपराध के समय मोबाइल की लोकेशन सांदलपुर तहसील खातेगांव की थी। तकनीकी जांच में पता चला कि मोबाइल उपयोगकर्ता पश्चिम बंगाल का निवासी है। जांच आगे बढ़ाने पर सेल टीम को जानकारी मिली कि दोनों आरोपी खातेगांव स्थित एनजीओ में कार्यरत हैं। टीम ने एनजीओ प्रबंधन से समन्वय कर तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूत्रों की मदद से दोनों को गिरफ्तार किया।

## टक्कर के बाद युवक से मारपीट की

**इंदौर।** शहर की सड़कों पर एक बार फिर झगड़े और मारपीट का नजारा देखने को मिला। एयरपोर्ट रोड पर कार और बाइक की मामूली टक्कर के बाद दो पक्षों में विवाद इतना बढ़ गया कि बात हाथापाई तक पहुंच गई। इस दौरान महिला ने युवक को चप्पल से पीटा। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला एरोड्रम थाना क्षेत्र का है। मंगलवार की दरमियानी रात एयरपोर्ट रोड पर कार और बाइक के बीच हल्की टक्कर हुई थी। शुरूआत में कहासुनी हुई, लेकिन जल्द ही झगड़ा बढ़ गया। वायरल वीडियो में दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर हमला करते दिख रहे हैं। इस दौरान महिला, युवक पर झपटती हुई दिखाई दी।

## छावनी से मधुमिलन चौराहे तक नई सड़क के निर्माण की तैयारी

**निगम आयुक्त के निर्देश, पहले ड्रेनेज लाइनें पूरी होगी**

**इंदौर।** नगर निगम जल्द ही मधुमिलन चौराहा से छावनी तक नई सड़क बनाने जा रहा है। इसको लेकर बुधवार सुबह नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव ने अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण शुरू करने से पहले ड्रेनेज और पानी की लाइन बिछाने का काम पूरा कर लिया जाए, ताकि बाद में सड़क खोदने जैसी दिक्कतें न आए। आयुक्त ने कहा कि कई बार निर्माण के बाद ड्रेनेज कार्य शुरू होने से सड़कें खराब हो जाती हैं और समय भी अधिक लगता है। इसलिए सभी संबंधित विभाग समन्वय बनाकर काम करें। दौरे के दौरान उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में बाधा बन रहे धार्मिक स्थलों को क्षेत्रवासियों से चर्चा कर वैकल्पिक स्थान पर शिफ्ट किया जाए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त यादव ने चंद्रभागा से कलालकुई तक चल रहे निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से समयसीमा की जानकारी लेते हुए कहा कि यह मुख्य मार्ग है, इसलिए कार्य को तेजी से पूरा किया जाए। छावनी क्षेत्र की सड़कें फिलहाल बेहद खस्ताहाल स्थिति में हैं। कई जगह सड़कें पूरी तरह उखड़ी हुई हैं। हाल ही में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गड्ढों में बैठकर प्रदर्शन किया था और सड़कों की मरम्मत की मांग की थी। खेल मैदान और मंदिर के आसपास मुख्य सड़क तो लगभग गायब हो गई है।

# राजा रघुवंशी हत्याकांड की आरोपी पत्नी सोनम सहित 5 पर आरोप तय

**मेघालय कोर्ट में शुरू होगा ट्रायल, तीन की हो चुकी जमानत**

**इंदौर।** शहर के बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में मेघालय पुलिस ने पत्नी सोनम रघुवंशी, उसके बॉयफ्रेंड राज कुशवाह, विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी पर आरोप तय कर दिए हैं। आरोप तय होने के बाद मामले का ट्रायल शुरू हो जाएगा। हत्याकांड में साक्ष्य मिटाने वाले तीन आरोपियों की जमानत हो चुकी है। पुलिस ने इससे पहले 5 सितंबर को 790 पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में पेश की थी। कोर्ट ने माना कि आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। हालांकि बचाव पक्ष ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि आरोपी निर्दोष हैं। कोर्ट में जल्द ही इस मामले की सुनवाई शुरू होगी। पांचों आरोपी अब तक पांच बार जमानत की अर्जी लगा चुके हैं, जिन्हें अदालत ने हर बार खारिज कर दिया। केस में पुलिस अब तीन अन्य आरोपियों सिलोम जेम्स, लोकेंद्र तोमर और बलवीर अहिरवार के खिलाफ भी दूसरी चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी कर रही है। इन पर सबूत नष्ट करने में शामिल होने का आरोप हैं।

### क्या था पूरा मामला

राजा रघुवंशी मई 2024 में अपनी नई-नवेली पत्नी सोनम के साथ हनीमून मनाने शिलांग (मेघालय) गए थे। 23 मई को राजा अचानक लापता हो गए। 10 दिन बाद पुलिस ने 30 फीट गहरी खाई से उनका क्षत-विक्षत शव बरामद किया, जिस पर धारदार हथियार से किए गए कई वार थे। जांच में सामने आया कि सोनम के राज कुशवाहा से प्रेम संबंध थे। पुलिस के अनुसार, सोनम ने राजा को सैर के बहाने एक सुनसान इलाके में बुलाया, जहां राज, विशाल, आकाश और आनंद पहले से मौजूद थे। वहीं दोनों ने मिलकर धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद सोनम मौके से फरार हो गई और बाद में उत्तर प्रदेश में आत्मसमर्पण किया। वर्तमान में सभी पांचों आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं।

### किसकी क्या भूमिका रही

विशाल चौहान ने राजा को मौत के घाट उतारा था। उसने सेल्फी पाइंट पर छोटी कुल्हाड़ी से सिर में दो वार किए थे। आकाश राजपूत सेल्फी पाइंट से कुछ दूरी पर बाइक पर बैठकर निगरानी कर रहा था। आनंद कुर्मी हत्या के वक्त विशाल के साथ मौजूद था। आनंद के डाक्यूमेंट से फर्जी सिम खरीदी थी। सोनम रघुवंशी राजा को सेल्फी पाइंट पर फोटो खिंचवाने के बहाने सेल्फी पाइंट पर ले गई। इसके बाद विशाल को बार-बार हत्या करने के लिए इशारा किया। पुलिस के मुताबिक, राज कुशवाहा हत्या का मास्टरमाइंड था। पूरी प्लानिंग उसी ने रची थी। हत्या के लिए कट्टा भी खरीदा था। आरोपियो की रेलवे टिकट भी कराई थी।

संपादकीय

# पर्यावरणहंता अमीर !

आज विश्व में पर्यावरण को सबसे ज्यादा नुकसान अमीर लोगों की अदम्य लालची वृत्ति पहुंचा रही है। यह चौंकाने वाला खुलासा हाल में जारी नई क्लाइमेट इनइक्वैलिटी रिपोर्ट- 2025 में हुआ है। इसके मुताबिक, दुनिया के 7 करोड़ अमीर लोग वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के 15 प्रतिशत के ज़िम्मेदार हैं। जानिए कैसे जलवायु संकट में आर्थिक असमानता और अमीरी की जीवनशैली अहम भूमिका निभा रही है।

क्या इंसान की आर्थिक तरक्की धरती पर जीवन को मुश्किल बना रही है? धरती को प्रदूषित करने में अमीर लोग सबसे आगे हैं। बुधवार को जारी 'क्लाइमेट इनइक्वैलिटी रिपोर्ट' के अनुसार, दुनिया के शीर्ष 1 प्रतिशत अमीर लोग वैश्विक उपभोग-आधारित कार्बन उत्सर्जन में 15 प्रतिशत योगदान देते हैं। वहीं निजी पूंजी स्वामित्व 41 प्रतिशत उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि 2050 तक धरती का तापमान दो फ़ीसदी बढ़कर 15 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है जो करोड़ों लोगों की मौत और विस्थापन का कारण बनेगा। वैज्ञानिकों के अनुसार ब्रह्मांड में दो ट्रिलियन आकाशगंगाएं हैं। हर आकाशगंगा में सौ से चार सौ अरब तक तारे हैं। तारे गैस के गोले हैं, जो हाइड्रोजन जलाकर रोशनी देते हैं। हमारा सूरज भी ऐसा ही एक तारा है। उसके इर्द-गिर्द पृथ्वी समेत आठ ग्रह घूमते हैं। इससे हमारा सौरमंडल बनता है। ब्रह्मांड में मनुष्य की हैसियत इससे ज्यादा कुछ नहीं। फिर भी वह खुद को धरती का मालिक समझता है और उसे बर्बाद करने पर तुला है। दरअसल मानव सभ्यता के अस्तित्व और प्रकृति के बीच संघर्ष की शुरुआत औद्योगिक क्रांति से हुई। जब मनुष्य के सुखोपभोगों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बेतहाशा दोहन शुरू हुआ। इसकी अगली कड़ी के रूप में कच्चे माल और बाजार की लड़ाई ने उपनिवेशवाद को जन्म दिया। दूसरी तरफ प्राकृतिक संसाधनों के घटने से धरती की गर्मी भी बढ़ी। आंकड़े बताते हैं कि 1750 में धरती का तापमान 13.5 डिग्री सेंटीग्रेड था। 1750 से 1850 के बीच यह सिर्फ 0.2 डिग्री सेंटीग्रेड बढ़ा। 1850-2025: 1.2 डिग्री सेंटीग्रेड और बढ़ गया। कारण? कोयला, तेल, फैक्टरियां। 2050 तक धरती का तापमान 15 डिग्री सेंटीग्रेड हो सकता है। तब स्थिति परिवर्तनीय हो जाएगी। यानी जो काम लाखों सालों में नहीं हुआ, जो दो सौ सालों में हो गया। अमेजन जंगल दक्षिण अमेरिका के नौ देशों में फैला है। इसका 60 प्रतिशत ब्राजील में है। 67 लाख वर्ग किलोमीटर (भारत से दोगुना में ये जंगल फैला है)। यह जंगल $CO_2$ सोखकर ऑक्सीजन बनाता है। हर साल 20 प्रतिशत नई ऑक्सीजन–हमारी सांस का पांचवां हिस्सा यहीं से बनता है। लेकिन 2025 तक यह जंगल 20 प्रतिशत कट चुका है। 25 प्रतिशत और कटा तो सवाना बनेगा–घास का मैदान। ऑक्सीजन कम, $CO_2$ ज्यादा होगी। धरती को सांस की तकलीफ हो जाएगी। धरती का तापमान बढ़ने से मौसम में उलट-पुलट अब सभी महसूस कर रहे हैं। इसकी मुख्य वजह है कार्बन उत्सर्जन। अब तो उसकी मात्रा काफ़ी बढ़ गयी है। सवाल यह है कि इस हानिकारक कार्बन उत्सर्जन का ज़िम्मेदार कौन है? क्लाइमेट इनइक्वैलिटी रिपोर्ट 2025 कहती है कि धरती को बर्बाद करने में अमीर सबसे आगे हैं। दुनिया के 1 प्रतिशत अमीर (यानी 7 करोड़ लोग)–कुल उत्सर्जन के 15 प्रतिशत के लिए ज़िम्मेदार हैं। लेकिन उपभोग से ज्यादा उनकी संपत्ति उत्सर्जन की ज़िम्मेदार है। वे तेल कंपनियों में निवेश करते हैं। शेयर खरीदते हैं कि कंपनियां कोयला जलाती हैं। रिपोर्ट कहती है कि 1 प्रतिशत अमीरों की संपत्ति से 41 प्रतिशत उत्सर्जन का कारण है। एक अमीर का उत्सर्जन एक गरीब से 680 गुना ज्यादा। यानी अमीरी धरती का संकट बन रही। ऐसा ही चला तो 2030 के बाद स्थिति अपरिवर्तनीय हो जाएगी। मूल प्रश्न यह है कि क्या इस चेतावनीभरी रिपोर्ट के बाद भी दुनिया जागेगी? फिलहाल तो ऐसे कोई संकेत नहीं हैं।

# सरदार पटेल : सहिष्णु संकल्प ही है उनका शाश्वत संदेश

**भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने 1947 में स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीय एकीकरण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, उन्हें भारत न भूल सकता है और न ही उनके अवदान को भूल सकता है। तत्कालीन परिस्थितियों ने उन्हें 560 से अधिक रियासतों को एकीकृत करने का कार्य सौंपा था। वहीं इस कार्य को कर भी सकते थे। कालांतर में इसे सबने महसूस किया। भारत के क्षेत्रफल और जनसंख्या का लगभग 40 प्रतिशत जब खंड-खंड में बंटा था, उन्हें भारत संघ में शामिल करने का कार्य कोई आसान कार्य नहीं था। अंग्रेजों द्वारा भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के तहत, रियासतों के शासकों को यह निर्णय लेने का विकल्प दिया गया था कि वे भारत या पाकिस्तान में से किसी में भी शामिल होना चाहते हैं या नहीं। सरदार पटेल ने विभाजन को रोकने के लिए कूटनीतिक वार्ता की। जहां आवश्यक हुआ, दृढ़ प्रशासनिक उपायों का संयोजन भी उन्होंने अपनाया। सरदार पटेल ने 15 अगस्त 1947 तक या उसके तुरंत बाद इन राज्यों को सफलतापूर्वक एकीकृत किया, इतिहास इसका गवाह है। आधुनिक भारत की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित हुई है आज तो वह नि:संदेह सरदार पटेल की वजह से।**

नजरिया



**प्रो. कन्हैया त्रिपाठी**

लेखक राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

हम सभी सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मना रहे हैं। एक ऐसे महापुरुष को स्मरण कर रहे हैं जिसने देश को एकीकृत किया। देश को भारत देश बनाया वरना सैकड़ों रियासतों में बाँटकर भारत छोड़ते अंग्रेजों ने यह सोचा था कि हमने जो इन्हें टुकड़े-टुकड़े करके छोड़ा है, इससे ये भारतीय कभी उबर नहीं सकेंगे। लेकिन वल्लभभाई पटेल की अपनी आत्मशक्ति ने देश को एकीकृत किया। इसीलिए इस वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन विशेष है। संघे शक्तिः कलयुगे, इस सूक्ति से सभी परिचित हैं जिसका अर्थ है कलियुग में संघ में शक्ति। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ऐक्यं बलं समाजस्य तद्भावे स दुर्बलः।/तस्मात् ऐक्यं प्रशंसन्ति दृढं राष्ट्र हितैषिणः॥ जिसका तात्पर्य है किसी भी समाज की ताकत उसकी एकता होती है। इसलिए मजबूत राष्ट्र के हितैषी एकता की इस भावना की प्रशंसा करते हैं, उसके लिए प्रयास करते हैं। उसमें आस्था रखते हैं। देश की एकता और एकजुटता हम सबका सामूहिक दायित्व है।

भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने 1947 में स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीय एकीकरण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, उन्हें भारत न भूल सकता है और न ही उनके अवदान को भूल सकता है। तत्कालीन परिस्थितियों ने उन्हें 560 से अधिक रियासतों को एकीकृत करने का कार्य सौंपा था। वही इस कार्य को कर भी सकते थे। कालांतर में इसे सबने महसूस किया। भारत के क्षेत्रफल और जनसंख्या का लगभग 40 प्रतिशत जब खंड-खंड में बंटा था, उन्हें भारत संघ में शामिल करने का कार्य कोई आसान कार्य नहीं था। अंग्रेजों द्वारा भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के तहत, रियासतों के शासकों को यह निर्णय लेने का विकल्प दिया गया था कि वे भारत या पाकिस्तान में से किसी में भी शामिल होना चाहते हैं या नहीं। सरदार पटेल ने विभाजन को रोकने के लिए कूटनीतिक वार्ता की। जहां आवश्यक हुआ, दृढ़ प्रशासनिक उपायों का संयोजन भी उन्होंने अपनाया। सरदार पटेल ने 15 अगस्त 1947 तक या उसके तुरंत बाद इन राज्यों को सफलतापूर्वक एकीकृत किया, इतिहास इसका गवाह है। आधुनिक भारत की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित हुई है आज तो वह निःसंदेह सरदार पटेल की वजह से। उनके प्रयासों ने विभाजन को टाल दिया। एक संयुक्त लोकतांत्रिक गणतंत्र की नींव रखी जिस पर भारत 75 वर्ष की अबाध यात्रा को तय करके अपे अमृतकाल में विश्व में अपना कीर्तिमान स्थापित करने को आतुर है। जिन्हें हम लौह पुरुष के रूप मेंजानते हैं वही सरदार वल्लभभाई पटेल का निर्णायक नेतृत्व उन्हें इस उपाधि से विभूषित करता है। उनकी देन है कि देश अपने उथल-पुथल भरे दौर में भी आंतरिक स्थिरता सुनिश्चित किया। पटेल ने अखिल भारतीय सेवाओं को स्टील फ्रेम के रूप में सृजित किया जो देश की एकता और अखंडता की रक्षा करना आगे भी जारी रखे हुआ है।

भारत 12वें एकता दिवस पर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के 12 प्रतीकों को भारतीय जनमानस में ले



जाने की कोशिश कर रही है। एक राष्ट्र-एक पहचान के अंतर्गत आधार की सफलता ने देश के विकास को एक नई दिशा दी है, और दुनिया भी इसकी चर्चा कर रही है। दूसरा, एक राष्ट्र-एक कर योजना है। पहले भारत में अलग-अलग कर प्रणालियाँ थीं। एक देश-एक कर प्रणाली का सपना जीएसटी के रूप में साकार हुआ। तीसरा, एक देश, एक गैस ग्रिड जिसके अंतर्गत एक गैस ग्रिड से देश के सभी हिस्सों में निर्बाध गैस कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा रही है। एक देश, एक पावर ग्रिड, इसमें एक देश, एक पावर ग्रिड देश के ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर रहा है। इससे देश का बिजली क्षेत्र मजबूत हुआ है। एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड योजना से एक ही राशन कार्ड से कहीं से भी खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। वन नेशन-वन हेल्थ इंश्योरेंस के माध्यम से आयुष्मान भारत के रूप में देश के 60 करोड़ नागरिकों को पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा भारत सरकार सुनिश्चित कर रही है।

इसीप्रकार, एक राष्ट्र, एक गतिशीलता कार्ड योजना भी है। इसके तहत एक ही राष्ट्रीय सामान्य गतिशीलता कार्ड एनसीएमसी के साथ देश भर में मेट्रो, बस, कैब, मोनोरेल और सभी शहरी रेलवे जैसे सभी प्रकार के परिवहन में यात्रा करने की सुविधा दी गयी है। एक राष्ट्र, एक फास्टैग के माध्यम से देश के राजमार्गों पर यात्रा तेज और निर्बाध हो गई है। एक देश, एक परीक्षा के जरिए परीक्षाएं राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी के माध्यम से आयोजित की जाती हैं। राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी से सरकारी नौकरियों के लिए विभिन्न परीक्षाओं के जाल से मुक्ति मिलने जा रही है। एक राष्ट्र-एक चुनाव की चर्चा सुर्ख़ियों में रही। वस्तुतः, एकता के प्रयासों के तहत अब एक देश-एक चुनाव पर काम किया जा रहा है, जिससे भारत का लोकतंत्र मजबूत होगा और संसाधनों का समुचित उपयोग होगा। एक राष्ट्र-एक नागरिक संहिता के माध्यम से भारत भी एक प्रकार की धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की ओर बढ़ रहा है। एक देश, एक संविधान की बात ही क्या है? यह संकल्प भी पूरा हुआ। इसी मंत्र को आत्मसात करते हुए केंद्र सरकार ने एकीकृत व्यवस्था और एकता के सूत्र में बांधने वाली पहलों से एक-भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूती प्रदान करने की कोशिश कर रही है।

यह सब बातें अच्छी हैं जिसे भारत सरकार के इनिशिएटिव के रूप में देखा जा रहा है लेकिन देश को इस बात पर विचार करना होगा कि हमारे देश में भूख से निपटने के लिए क्या प्रयास हो रहे हैं? सरदार पटेल ने राष्ट्रीय एकीकरण किया था तो देश में सभी धर्मों का आदर करते हुए देश को जोड़ने का प्रयास किया। आखिर आज देश में जब हम धार्मिक उन्मादों में जब तब्दील होने लगते हैं तो वह कौन सा भारत है? भारत में एक सहिष्णु संस्कृति के एकीकरण की बात भी आज की आवश्यकता है। यह समझना होगा कि हम तकनीकीकृत या मशीनीकृत नहीं हो सकते। हम मनुष्य हैं और अच्छे मनुष्य समाज का स्वभाव है कि वे यूनिटी की बनाए रखने के लिए वैचारिक धरातल पर बंटने या बाँटने का प्रयास न करें।

आज विश्व में सरदार पटेल के लिए आदर है तो उनके मूल स्वभाव को समझना आवश्यक है और उनके अनुरूप भारत को निर्मित करने की कोशिश करना भी आवश्यक है। देश को एक ऐसे गतिशील वातावरण की ओर ले जाना है जिससे सबका विकास, सबका साथ, सबका विश्वास व सबका प्रयास एकीकृत होकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में हमारी मदद करे। आज 150वें जन्मोत्सव पर सच में सरदार पटेल हमसे यही संकल्प चाहते हैं कि सभी एक हों, सभी प्रेम व सहिष्णु संस्कृति को आगे बढ़ाएं और सभी के उत्थान में अपने उत्थान व भारत का उत्थान सुनिश्चित करें। हमारे लिए आज की परिस्थिति में भी कोई यह बहुत बड़ी चुनौती नहीं है कि हम ऐसा हो ही नहीं सकते। बस भारत के उस महान संकल्प को समझना होगा कि जब हम वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करते हैं। पूरे पृथ्वी को अपना परिवार मानते हैं तो हमें अपने उदार हृदय से सबके साथ आगे बढ़ना होगा। सरदार पटेल के प्रति यही संकल्प ही उन्हें सच्ची तरह स्मरण करने का तरीका है। सच कहा जाए तो उनके एकीकरण के दर्शन में भी सहिष्णु संकल्प ही है उनका शाश्वत संदेश, जिसे हर भारतीय को आत्मसात करके देश को आगे ले जाना है।

# बिहार की चुनावी तस्वीर स्पष्ट हो रही है

राजनीति



**अवधेश कुमार**

लेखक दिल्ली निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं

बिहार चुनाव अभियानों के प्रचंड शोर से के बीच से निकलने वाले संकेतों को आप समझ सकते हैं। दोनों प्रमुख गठबंधनों तथा तीसरी शक्ति के रूप में खड़ा होने की कोशिश कर रही जन सुराज व उम्मीदवारों तक ने अपने मुद्दे भी घोषित कर दिए। मतदाताओं के सामने मुख्य प्रश्न यही है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की नीतीश कुमार सरकार को कायम रखनी है या बदलने के लिए विपक्षी गठबंधन को सत्ता में लाना है ? प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र और भाजपा ने राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कार्यों, वक्तव्यों तथा व्यवहारों से स्थायी एवं तात्कालिक मुद्दे लगातार बनाए रखें है। छोटे से छोटे चुनाव में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा एक प्रबल कारक की भूमिका निभाते हैं। इसमें चुनावी आकलन की मुख्य वस्तुनिष्ठ कसौटियां क्या हो सकतीं हैं? एकमात्र कसौटी यही होगी कि आखिर सामने दिखने वाले तीनों प्रमुख धाराओं के चुनाव में उद्देश्य क्या हैं? जब हम उद्देश्यों पर विचार करेंगे तो यह भी प्रश्न उभरेगा कि क्या उनकी संपूर्ण भूमिका उन उद्देश्यों के अनुरूप हैं? इन्हीं के अगले चरण में आपको चुनावी संभावनाओं के भावी दृश्य भी धीरे-धीरे स्पष्ट हो जाएंगे।

पहले दोनों मुख्य गठबंधनों यानी सत्तारुढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन या राजग तथा दूसरी ओर जिसे महागठबंधन कहते हैं उनकी चर्चा। हालांकि विपक्ष को महागठबंधन तब कहा गया था जब नीतीश कुमार जदयू के साथ इस ओर आ गए थे। जब नीतीश कुमार इससे निकल चुके हैं तो यह महागठबंधन नहीं है। दोनों ओर सामान्य गठबंधन है। विपक्षी गठबंधन के सामने सीधा लक्ष्य महाराष्ट्र, हरियाणा तथा दिल्ली में भाजपा के विजय अभियान को रोक कर लोकसभा चुनाव में दिए गए धक्के को फिर सतह पर लाना है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर हमला करते हुए यही कहा कि वोट चोरी नहीं होती तो भाजपा की सीटें घट जातीं और उनकी सरकार नहीं बनती। यह स्पष्ट है कि 2014 से हिंदुत्व, हिंदुत्व अभिप्रेरित राष्ट्रवाद के साथ सामाजिक न्याय एवं विकास आदि के आधार पर भाजपा का स्थिर ठोस वोट आधार कायम हो चुका है। भाजपा चाहे चुनाव जीते या हारे इसकी शुरुआत उस निश्चित वोट प्रतिशत से ही होती है। इस नाते विपक्ष का पहला लक्ष्य हर हाल में उम्मीदवारों, राजनीतिक मुद्दों और चुनाव अभियानों में सशक्त एकजुटता प्रदर्शित करनी चाहिए थी। इससे मतदाताओं के बीच संदेश जाता कि वाकई ये विचार और मुद्दों के आधार पर भाजपा का विरोध करते हैं केवल सत्ता पाने के लिए इनका साथ नहीं है। राहुल गांधी, वम दल, स्वयं तेजस्वी यादव आदि सेक्युलरिज्म आदि के आधार पर भाजपा से विचारधारा का टकराव घोषित करते हैं। क्या इनका आचरण इसके अनुरूप रहा?

23 अक्टूबर की संयुक्त प्रेस वार्ता के पहले विपक्षी गठबंधन के शीर्ष नेताओं की एक भी बैठक नहीं हुई।

इसके उलट जब लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव दिल्ली में अपने मुकदमों के लिए न्यायालय में उपस्थित होने आए थे तो माना गया था कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं साथ उनकी बैठक होगी। केवल यह समाचार आया कि लालू यादव ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से फोन पर बातचीत की। यानी तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की बैठक नहीं हो सकी। सभी पार्टियों ने स्वयं ही उम्मीदवारों की घोषणा की है। इसका संदेश यही है कि चूंकि इनको मालूम है कि आपस में लड़ने पर हम चुनाव नहीं जीत पाएंगे इसलिए इन्होंने एक दूसरे की सीट से कुछ उम्मीदवार हटाए और या उम्मीदवार खड़ा नहीं किया। बावजूद 11 स्थानों पर गठबंधन के उम्मीदवार एक दूसरे के विरुद्ध लड़ रहे हैं और अनेक स्थानों पर बिना पार्टी चुनाव चिन्ह के निर्दलीय खड़े हैं। क्या चुनाव पर इसका असर नहीं होगा? गठबंधन में पार्टियों द्वारा अधिक से अधिक सीटों की चाहत अस्वाभाविक नहीं है। किंतु कांग्रेस का रवैया गठबंधन धर्म के विपरीत रहा। कांग्रेस का तर्क था कि पिछले चुनाव में 70 सीटों पर केवल 19 पर ही जीत इसलिए मिली क्योंकि ये स्थान हमारे अनुकूल नहीं थे। दरअसल, कांग्रेस मान रही है कि राहुल गांधी सेकुलरिज्म के सबसे बड़े चेहरे हैं, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा, संघ और हिंदुत्व विचार पर लगातार आक्रमण किया और चुनाव आयोग तक को भाजपा समर्थक घोषित करने के लिए अभियान चलाया इस कारण उनकी लोकप्रियता विपक्ष के सभी नेताओं से ज्यादा है। इसीलिए गठबंधन या सीटों के बंटवारे में आत्मविश्वास और समानता से हमें व्यवहार करना है। कांग्रेस राजद को ब्लैंक चेक देने के मूड में नहीं रही और इसी कारण तेजस्वी यादव गठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने में काफी विलम्ब हुआ। ऐसा लगा कि कुछ विरोधियों तथा विश्लेषकों द्वारा लगातार इस पहलू को उठाने के बाद चुनावी क्षति का भय पैदा हुआ और फिर ये तेजस्वी यादव को नेता घोषित करने को बाध्य हो गए।

स्वयं कांग्रेस के अंदर टिकटों को लेकर पटना सदाकत आश्रम कार्यालय में मारपीट, गाली- गलौज तथा प्रदेश अध्यक्ष, विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं प्रभारी के हवाई अड्डे पर उतरने के बाद कार्यकर्ताओं के गुस्से वाले दृश्य ने बहुत कुछ स्पष्ट कर दिया। झारखंड मुक्ति मोर्चा पहले गठबंधन का भाग हुई लेकिन नाराज होकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने घोषणा कर दिया कि उनकी पार्टी बिहार में चुनाव नहीं लड़ेगी और झारखंड उपचुनाव में भी अकेले उतरेगी। इससे तो राष्ट्रीय स्तर पर आईएनडीआईए का अवशेष भी प्रश्नों के घेरे में आ गया।

दूसरी ओर भाजपा जद-यू के समान वर्चस्व वाले राजग के नेताओं ने बार-बार स्पष्ट किया कि वे नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहे हैं। सीटों के बंटवारे पर भी स्पष्ट वक्तव्य जारी किया। यहां भी सीटों पर मतभेद थे तथा रालोमो प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा और हम के जीतन राम मांझी ने इसे सार्वजनिक प्रकट भी किया। गहराई से देखेंगे तो समस्या चिराग पासवान की लोजपा को 29 सीटें देने के कारण पैदा हुई। उनके खाते कुछ सीटें ऐसी जिनमें कुछ क्षेत्रों से रालोमो और हम के साथ भाजपा प्रदेश नेतृत्व भी अपना उम्मीदवार लडाना चाहता था। इसीलिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजगीर और सोनबरसा में अपने उम्मीदवार को चुनाव चिन्ह देकर नामांकन करवा दिया। ऐसा होने के बावजूद नीतीश कुमार ने हर पार्टी के लिए अपना चुनाव प्रचार जारी रखा, सभी ने एक स्वर से एकजुट होने के बयान जारी किए। आज की स्थिति में राजग के सभी घटक एकजूट चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टियों के अंदर उम्मीदवारों को लेकर असंतोष हैं।स्थानीय भाजपाकार्यकर्ताओं में हम औरलोजपा नेतृत्व द्वारा अपने परिवार रिश्तेदारों तथाकुछ गलत लोगों के टिकट देने का भी विरोध है। इनका थोड़ा असर चुनाव परिणाम पर पड़ता है।

मुद्दों की दृष्टि से राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर भाजपा के लिए वोट चोरी करने का आरोप लगाते हुए वोट अधिकार यात्रा निकाली और इसे बिहार सहित आगामी सभी चुनाव के लिए सबसे बड़ा मुद्दा बनाने की रणनीति अपनाई। वास्तव में जानबूझकर किसी मतदाता का नाम हटा नहीं इसलिए यह मुद्दा बन ही नहीं सका। तेजस्वी यादव और उनके रणनीतिकारों को इसका आभास हुआ तो उन्होंने राहुल की यात्रा के बाद बिहार अधिकार यात्रा शुरू कर दी। आप देखेंगे कि चुनाव में राजद या अन्य घटक यह मुद्दा नहीं उठा रहे थे। इतना शोर वाले मुद्दा ही निराधार हो तो मतदाताओं के मनोविज्ञान पर इसका असर नकारात्मक ही होता है। दूसरी ओर भाजपा और जदयू लगातार लालू राबड़ी काल के कुशासन व जंगल राज को शीर्ष पर ला रही है तथा अपने काल में बिहार में आधारभूत संरचनाओं से लेकर स्वास्थ्य आदि के विकास की तस्वीर प्रस्तुत करते हुए मतदाताओं के सामने दोनों के बीच तुलना का विकल्प दे रहे हैं। जब विपक्ष एकजुट नहीं होगा तो सरकार के विरुद्ध प्रभावी तरीके से मुद्दे भी नहीं बनाये जा सकते। यही बिहार चुनाव में दिख रहा है।

प्रशांत किशोर ने पिछले दो वर्ष में बिहार से जुड़े मुद्दे उठाए। किंतु मुद्दे उठाने और राजनीतिक नेतृत्व का चेहरा बनने में मौलिक अंतर है। बिहार में तीसरी शक्ति को मत तीन स्थितियों में ही मिल सकता है। एक, जब मतदाताओं के अंदर सरकार के विरुद्ध इतना व्यापक असंतोष हो कि वे उसे उखाड़ फेंकना चाहें। दो, यह मान लें कि वर्तमान विपक्ष भाजपा जदयू कि मुकाबला करने में बिल्कुल सक्षम नहीं है। और तीन, सामने तीसरा विकल्प इन दोनों से बेहतर चेहरों मुद्दों और रणनीति के साथ सामने है। ये तीनों स्थितियों बिहार में नहीं हैं। इसके बाद आप निष्कर्ष निकालिए कि आखिर चुनाव की अंतिम तस्वीर क्या होगी?

# मंदी में भी मजे उड़ाने वाला आदमी

कटाक्ष



**शशांक दुबे**

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जब भी दुनिया में कहीं आर्थिक मंदी आती है, अपने अर्थशास्त्री यही कहते हैं कि भारत पर इस मंदी का कोई असर नहीं होगा, क्योंकि यहाँ के लोगों में बचत की आदत है। बात बिल्कुल सही है। बचत हमारी मूल प्रवृत्ति है। यहाँ लोगों का बचपन पुराने कैलेंडरों को काटकर नई किताबों के कवर चढ़ाने में, जवानी चप्पल की टूटी स्ट्रिप को आलपिन से जोड़ने में और बुढ़ापा पुराने पैंट की कमर दो इंच कम करवाकर पुनः पहनने में तमाम होता है। सयाने लोग इस क्वालिटी को मितव्ययिता कहते हैं, जबकि मुँहफट आदमी ऐसे गुणीजन को कंजूस के खिताब से नवाज़ता है। मनोविज्ञान की भाषा में कहें तो कंजूस वह शख्स होता है, जिसके साथ जब आप गुमटी पर चाय पीने जाते हैं, तो वह उसे तब तक सुड़कता रहता है, जब तक कि आप ग्लास खाली कर पेमेंट अदा नहीं कर देते। ऐसे लोग जब आपके साथ होटल में जाते हैं, तो जैसे ही वैटर बिल लाता हुआ दिखाई देता है, ये हाथ धोने चले जाते हैं और बचे खुचे बाल सेट करने के बहाने वॉश बेसिन के आईने में तब तक ताड़ते रहते हैं, जब तक कि आप बिल मय टिप के अदा नहीं कर देते। हाँ, लौटने के बाद 'अरे बताओ तो सही कितना बिल हुआ? 'या जेब थपथपाते हुए 'शुड आय?' कहना नहीं भूलते।

बड़ा मौलिक होता है बचत के मामले में हिन्दुस्तानी। पेट्रोल बचाने के लिए वह सुबह दस बजे चौराहे पर जेब में हाथ डाल कर खड़ा हो जाएगा और किसी भी दोस्त या अंजान लेकिन शरीफ से दिखाई देते आदमी की फटफटी पर सवार होकर रास्ते भर हाथ हिला हिला कर बात करते हुए और आसपास से गुजर रहे ट्राफिक को भ्रमित करते हुए मंज़िल तक पहुँच जाएगा। ऐसे आदमी को यदि अपवाद स्वरूप अत्यंत आपातकालीन परिस्थिति में गाड़ी निकालनी भी पड़े तो वह घाटी उतरते वक़्त सागर या आगर के ऑटो रिक्षावालों की शैली में इंजिन बंद कर देता है।

कंजूसों की कुछ किस्में और भी होती हैं। एक होते हैं, 'बदला लेने वाले कंजूस'। अव्वल तो ये कुछ खर्चते नहीं, लेकिन यदि भूले से इन्होंने कहीं पेमेंट कर दिया, तो जब तक आपकी जेब से उतने ही या उससे ज़्यादा पैसे न झड़वा लें, इन्हें चैन नहीं मिलता। ऐसे लोग यदि आपको कही सौ ग्राम रबड़ी खिलवा दें, तो दस बार यह कहना नहीं भूलते कि 'देख तेरेको रबड़ी खिलाई कि नहीं? चल अच्छा अब तू भी चाय-समोसे करवा दे।' अब यदि पेट भरा होने के कारण आपने मना कर दिया तो यह ताना सुनने के लिए तैयार हो जाइए कि यार तू तो बड़ा कंजूस निकला !!

एक होते हैं हीन भावना से ग्रस्त कंजूस। ये भी बेचारे अपनी ओर से कभी खर्च नहीं करना चाहते, लेकिन यदि सामने वाले ने उन पर कुछ खर्च कर दिया, तो इनकी बेचैन आत्मा 'चूड़ी उतारने' के लिए मचलती रहती है। ऐसे लोगों के साथ सिनेमा देखते हुए यदि आपने इंटरवेल में इन्हें समोसे खिला दिए तो फिल्म छूटने के बाद जब तक ये आपका पेट किसी रेस्त्रां में उतने ही पैसों के समोसे या कचोरी या इसी किस्म का कोई और सामान ठुँसवा कर 'हाउसफुल' नहीं कर देते, घर की ओर रुखसत नहीं करते हैं। बाद में रात को सोने की कोशिश में जब आप बार-बार पहलू बदलते हैं तो अनायास मोबाइल पर अंगुलियाँ यह मैसेज छाप देती हैं, 'खर्चे से डर नहीं लगता यार ! खाने से लगता है।'

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

**प्रधान संपादक**
उमेश त्रिवेदी
**कार्यकारी प्रधान संपादक**
अजय बोकिल
**संपादक (मध्यप्रदेश)**
विनोद तिवारी
**स्थानीय संपादक**
हेमंत पाल
**प्रबंध संपादक**
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

**'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।**

# दूध का दूध पानी का पानी

व्यंग्य



**डॉ. महेन्द्र अग्रवाल**

लेखक व्यंग्यकार हैं।

टी.वी. न्यूज़ चैनल की डिबेट में नेताजी विपक्षियों पर बुरी तरह बरसते हुए बोले कि इस घोटाले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिये, जिससे दूध का दूध पानी का पानी हो सके।यह मुहावरा पहले भी,बहुत से राजनीतिज्ञों,राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं को बोलते हुए सुना है।पर लगता है ये सब कहते हैं करता कोई नहीं। किसी की रुचि नहीं है दूध का दूध पानी का पानी करने में। क्योंकि इससे उनके ऊपर भी आंच आ सकती है। कहने की बात अलग है,करने की अलग। यह मुहावरा सत्य की खोज,सत्य के अनुसंधान के लिए प्रयोग होता है कि मामले की तह में जाकर सच्चाई सामने आ सके और उसमें किसी भी व्यक्ति के प्रति भेदभाव या पक्षपात न हो।सही और गलत का स्पष्ट निर्णय हो, ईमानदारी से और निष्पक्षता से हो लेकिन क्या ऐसा संभव है? हम जिस व्यवस्था में रहते हैं,उसमें कोई भी काम निष्पक्षता और ईमानदारी से क्यों नहीं होता। अर्थ की महानता के उदघोष वाले इस महान युग में कौन सी जांच दूध का दूध और पानी का पानी करती है? जांच और जांच आयोग की घोषणा होती है पर होता कुछ नहीं, होती है तो केवल लीपापोती। हम इसी में माहिर हैं।

वस्तुतः ये कहने वाले लोग खुद नहीं चाहते कि दूध का दूध पानी का पानी हो।इनके अफसर भी दूध का दूध पानी का पानी करना या करवाना नहीं चाहते। वरना आजादी के पिचहत्तर साल बाद भी ऐसे विवादास्पद विषयों पर दूध का दूध पानी का पानी क्यों नहीं हो पाता? जिन पर आज भी टी. वी. पर बहस जारी है उनका अभी तक दूध का दूध पानी का पानी क्यों नहीं हुआ? आखिर कारण क्या है?

ये सब कहते हैं पर इन्हें रोकता कौन है? खुद बदल



बदलकर सत्ता में आते जाते रहते हैं।पर करते धरते कुछ नहीं। दलबदल कर इधर उधर आते जाते हैं तब भी कुछ नहीं करते। नेताजी सुभाष के मामलों की जांच का क्या हुआ? फाइलें ढूढ़ीं कि कहां पड़ी हैं? किस बक्से में किस देश में धूल खा रही हैं? यही हालात बाकी सभी मामलों में हैं। मतलब इच्छा शक्ति का अभाव है। कथनी करनी का अंतर है। नीति नहीं नीयत की बात है।हाथी के दांत की तरह दिखाने और खाने के अलग अलग हैं।

वैसे ये मुहावरा उन दूधियों के लिए है जो दूध में पानी मिलाकर बेचते हैं। आशय यही होता है कि शुद्ध दूध और उसमें मिलाये गये पानी की मात्रा अलग-अलग हो जाये। उसका ज्ञान हो जाये कि वास्तव में दूध कैसा है, मिलावट कितनी है और उस हिसाब से कितने पैसे देने हैं।सब जानते हैं कि दूध में पानी वसा प्रोटीन लेक्टोज होते हैं। इसमें भी प्रमुख रूप से पानी 85 से 87 प्रतिशत होता है। यदि पूरा पानी निकल जाये तो बचेगा क्या? इसमें गाय भैंस बकरी भेड़ ऊंटनी के आधार पर अंतर हो सकता है पर ऐसा कोई अंतर इन नेताओं की बात में नहीं होता। उनका उद्देश्य जब जिस दल में होते हैं उसकी गाइड लाइन के अनुसार केवल बरगलाना और बात को टालना होता है। अब कोई नेता इस मुहावरे का प्रयोग करता दिखाई दे तो मां कसम उसकी बात पर भरोसा न करना।

# विविधता में एकता ही सर्वश्रेष्ठ भारत की पहचान

**कुछ असामाजिक तत्व काफी सक्रिय हैं जो भारत की एकता के लिए आंतरिक खतरा हैं, क्योंकि वे लोगों के मन में भय, असुरक्षा और अविश्वास पैदा करते हैं। उन्हें राजनैतिक संरक्षण भी मिला हुआ है। राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक की राजनीति और नफरत फैलाने वाली भाषा से समाज में विभाजन की भावना तेजी से बढ़ रही है। जातिगत भेदभाव अब भी समाज में मौजूद है, जो सामाजिक समरसता को प्रभावित करता है। अमीर और गरीब, शहरी और ग्रामीण के बीच बढ़ती खाई लोगों में असंतोष और असुरक्षा की भावना पैदा करती है। इस कारण कुछ क्षेत्रों में अलगाववादी या चरमपंथी गतिविधियां बढ़ रही है जो राष्ट्रीय अखंडता के लिए खतरा है। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज़ और नफरत फैलाने वाली झूठी खबरें समाज में गलतफहमी और अविश्वास पैदा कर रही है। लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता एक-दूसरे के पूरक हैं। लोकतंत्र नागरिकों को समान अधिकार देता है,और राष्ट्रीय एकता उन अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता लोकतंत्र की मूल आत्मा है। जब सब मिलकर आगे बढ़ते हैं, तब ही 'सबका साथ, सबका विकास' संभव होता है।**

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विशेष

राज कुमार सिन्हा

लेखक बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ के प्रतिनिधि हैं।

राष्ट्रीय एकता का अर्थ है किसी देश के नागरिकों के बीच एकजुटता और भाईचारे की भावना, जो उन्हें सांस्कृतिक, भाषाई या धार्मिक मतभेदों से ऊपर उठकर एक राष्ट्र के रूप में जोड़ती है। इसमें संविधान के प्रति निष्ठा, राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान और देश के लक्ष्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता शामिल है, जो देश को एक इकाई के रूप में बांधता है। राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, जिन्हें 'भारत का लौह पुरुष' कहा जाता है। इन्होंने स्वतंत्रता के बाद देश की 562 रियासतों का एकीकरण कर भारत की एकता और अखंडता को मजबूत आधार दिया।

उनका मानना था कि 'हमारा कर्तव्य है कि हम भारत को एक और अखंड बनाए रखें।'

राष्ट्रीय एकता दिवस का उद्देश्य देश के एकता, अखंडता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा को बनाए रखने तथा सुदृढ़ करने के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना और देश के विभिन्न राज्यों, भाषाओं, धर्मों और संस्कृतियों के बीच एकता की भावना को मजबूत करना है।भारत की राष्ट्रीय एकता आज भी मजबूत है, लेकिन वर्तमान समय में इसके सामने कुछ गंभीर चुनौतियां हैं जो सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर दिखाई देती हैं। धर्म के आधार पर बढ़ती नफरत और हिंसा समाज में विभाजन पैदा कर रही है।

कुछ असामाजिक तत्व काफी सक्रिय हैं जो भारत की एकता के लिए आंतरिक खतरा हैं, क्योंकि वे लोगों के मन में भय, असुरक्षा और अविश्वास पैदा करते हैं। उन्हें राजनैतिक संरक्षण भी मिला हुआ है। राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक की राजनीति और नफरत फैलाने वाली भाषा से समाज में विभाजन की भावना तेजी से बढ़ रही है। जातिगत भेदभाव अब भी समाज में मौजूद है, जो सामाजिक समरसता को प्रभावित करता है। अमीर और गरीब, शहरी और ग्रामीण के बीच बढ़ती खाई लोगों में असंतोष और असुरक्षा की भावना पैदा करती है। इस कारण कुछ क्षेत्रों में अलगाववादी या चरमपंथी गतिविधियां बढ़ रही है जो राष्ट्रीय अखंडता के लिए खतरा है। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज़ और नफरत फैलाने वाली झूठी खबरें समाज में गलतफहमी और अविश्वास पैदा कर रही है।लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता एक-दूसरे के पूरक हैं। लोकतंत्र नागरिकों को समान अधिकार देता है,और राष्ट्रीय एकता उन अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता लोकतंत्र की मूल आत्मा है। जब सब मिलकर आगे बढ़ते हैं, तब ही 'सबका साथ, सबका विकास' संभव होता है।

महात्मा गांधीजी ने कहा था कि 'भारत की आत्मा उसकी विविधता में बसती है।'

वे धार्मिक सहिष्णुता, अहिंसा और साम्प्रदायिक सौहार्द को राष्ट्रीय एकता की नींव मानते थे। उनका विश्वास था कि सभी धर्मों और जातियों के लोग मिलकर ही स्वतंत्र भारत का निर्माण कर सकते हैं। पंडित जवाहरलाल

नेहरू ने 'एकता में विविधता' की भावना पर जोर दिया। वे भारत को एक आधुनिक, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में भारत को देखना चाहते थे, जहां सभी नागरिक समान हों। डॉ. भीमराव अम्बेडकर कहा था कि सामाजिक समानता के बिना राष्ट्रीय एकता संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने संविधान में समान अधिकार और सामाजिक न्याय को सुनिश्चित किया। सुभाष चन्द्र बोस ने कहा था कि 'राष्ट्रीय एकता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं।' वे जाति, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्र के लिए एकता का आह्वान करते थे। स्वाधीनता संग्राम के नेताओं का मानना था कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता में निहित एकता है। यही भावना आज भी देश को एक सूत्र में बांधे रखती है।

बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा भारत के इतिहास में एक अत्यंत प्रेरक और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण आंदोलन था। यह यात्रा उनके राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण के गहरे संदेश को

लेकर निकाली गई थी। 1980 के दशक में देश में बढ़ती धार्मिक और जातिगत हिंसा को देखकर उन्होंने यह यात्रा निकाली, ताकि लोगों में सौहार्द्र और मानवीय एकता की भावना जागे। बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य केवल भौगोलिक एकता नहीं, बल्कि मनुष्य से मनुष्य के बीच प्रेम, समानता और सामाजिक एकजुटता स्थापित करना था, ताकि भारत सचमुच 'एकता में अनेकता' का जीवंत उदाहरण बना रहे। बाबा आमटे के दूसरे चरण की भारत जोड़ो (1988 में पूरब के अरूणाचल प्रदेश से पश्चिम के ओखा गुजरात तक) यात्रा में मैं भी शामिल था। तब मुझे भारत की विविधता और स्थानीय लोगों के आतिथ्य और प्रेम का एहसास हुआ था। यात्रा का मुख्य नारा था कि 'जात - धर्म का बंधन तोड़ो, भारत जोड़ो, भारत जोड़ो।'

संविधान की प्रस्तावना में भारत को 'संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य' घोषित किया गया है। इसमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्श दिए गए हैं जो राष्ट्रीय एकता का आधार हैं। संविधान की अनुच्छेद- 1 में भारत को 'राज्यों का संघ कहा गया है। यह देश की राजनीतिक एकता सुनिश्चित करता है। संविधान के मौलिक अधिकार के भाग(3) में अनुच्छेद 14 से 18 तक के अनुसार जाति, धर्म, लिंग या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है। अनुच्छेद 19 से 22 तक सभी नागरिकों को समान स्वतंत्रता देता है। अनुच्छेद 25 से 28 तक धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अर्थात सभी धर्मों का समान सम्मान है। अनुच्छेद 51ए के अंतर्गत नागरिकों का कर्तव्य है कि वे देश की एकता और अखंडता की रक्षा करें तथा साम्प्रदायिक सौहार्द्र बनाए रखें।'

राजभाषा का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 343-351 में वर्णित है जिसमें हिंदी को राजभाषा और अंग्रेज़ी को सहायक भाषा के रूप में स्वीकार कर भाषाई एकता बनाए रखी गई है। संविधान के अनुच्छेद 352-360 में प्रावधान किया गया है कि राष्ट्रीय संकट के समय केंद्र सरकार को विशेष अधिकार देकर देश की अखंडता और सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। अनुच्छेद - 355 के अंतर्गत केंद्र सरकार का दायित्व है कि वह राज्यों की सरकारों को बाहरी आक्रमण या आंतरिक अशांति से बचाए। संविधान न केवल अधिकार देता है बल्कि यह हर नागरिक से यह अपेक्षा भी करता है कि वह भारत की एकता, अखंडता और बंधुता की भावना को सशक्त बनाए रखे।वर्तमान केन्द्र सरकार ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत भारत की विविधता में एकता को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया है। इसमें विभिन्न राज्यों को 'जोड़ी राज्य' के रूप में जोड़ा गया ताकि सांस्कृतिक, भाषाई और आर्थिक आदान-प्रदान बढ़े।

आज भारत की राष्ट्रीय एकता को देश के अंदर से भी कुछ गंभीर खतरे हैं। ये खतरे बाहरी आक्रमण से अधिक आंतरिक सामाजिक, राजनीतिक और मानसिक विभाजनों के कारण उत्पन्न हो रहे हैं। भारत की एकता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम सहिष्णुता, समानता, सामाजिक न्याय और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करें, ताकि हमारा देश 'विविधता में एकता' का वास्तविक उदाहरण बना रहे। इसलिए इस राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के हाशिए पर पड़े समुदायों को मुख्यधारा में लाना और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करना आवश्यक है। आर्थिक विषमताओं को कम करना सामाजिक तनाव को घटाता है और एकता को मजबूत करता है। राष्ट्र निर्माण के लिए राष्ट्रीय एकता बहुत ज़रूरी है, क्योंकि यह देश में स्थिरता, सामाजिक सद्भाव और प्रगति को बढ़ावा देती है।

# देशी रियासतें और लौह पुरुष सरदार पटेल

पटेल जयंती पर विशेष

चित्रा माली

सहायक प्रोफेसर गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता।

गांधी जी के सबसे प्रिय,दो शिष्यों में से एक सरदार वल्लभ भाई पटेल जो वर्ष 1918 से ही उनके साथ थे और वे उनकी ही जन्मभूमि गुजरात से भी आते है।

पटेल के स्वतंत्र नेतृत्व में सबसे पहला सत्याग्रह आंदोलन 1918 में खेड़ा में हुआ था। यह आंदोलन छः माह तक चला और अंत में सरकार को झुकना पड़ा। 1922 में गांधी की गिरफ्तारी के बाद पटेल ने अपना पूरा सामर्थ्य अपने राजनीतिक गुरु के आदर्शों के प्रचार प्रसार में लगा दिया। 1928 में पटेल ने बारडोली किसान आंदोलन का नेतृत्व किया जो पूरी तरह से शांतिपूर्ण आंदोलन था। यह पटेल के नेतृत्व में दूसरा सफल सत्याग्रह था जिसमें किसी भी प्रकार की कोई हिंसा नहीं हुई थी और इस आंदोलन ने बड़ी सफलता अर्जित की थी। इसी सत्याग्रह के बाद किसानों ने पटेल को 'सरदार' का दर्जा दिया और वे इस उपनाम से पूरे देश में प्रसिद्ध हुए। मार्च,1931 में सरदार पटेल ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में पूर्ण-स्वराज और हिंदू-मुस्लिम एकता पर बल दिया था। कराची अधिवेशन में ही कांग्रेस ने औपचारिक रूप से नागरिकों के मूल अधिकारों की अवधारणा को स्वीकार किया और इसी दौरान केसरिया,सफेद और हरे रंग के साथ भारत के तिरंगे झंडे को अपनाया गया।

गांधी जी और सरदार पटेल हिंदी,गुजराती और अंग्रेजी तीनों ही भाषाओं में आपस में संवाद करते थे। सरदार पटेल एक बेहतरीन संगठनकर्ता और योजनाकार थे। कांग्रेस को एक राष्ट्रीय पार्टी बनाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तमाम कोशिशों के बाद भी जब भारत विभाजन को टाला नहीं जा सकता था तब नेहरू को विभाजन के लिए मनाने का कार्य भी सरदार पटेल ने ही किया। अंग्रेजों व मुस्लिम लीग की राजनीतिक कूटनीतिक चालों को विफल करने का कार्य भी सरदार पटेल ने बड़ी ही कुशलता के साथ किया। सरदार पटेल के राजनैतिक चातुर्य को गत वर्ष प्रदर्शित वेब सीरीज 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में भी देखा जा सकता है। भारत में देशी रियासतों की संख्या इतनी अधिक थी कि उनकी सही संख्या पर भी विवाद था। एक इतिहासकार के मुताबिक उनकी संख्या 521 थी,जबकि एक दूसरे इतिहासकार के अनुसार 565 लेकिन इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि उनकी संख्या पांच सौ से अधिक ही थी और उनका आकार और उनकी हैसियत अलग-अलग प्रकार की थी। एक तरफ कश्मीर और हैदराबाद जैसे विशाल रजवाड़े भी थे जो यूरोप के किसी देश के बराबर थे,तो दूसरी तरफ छोटी-छोटी जमींदारियां या जागीरें भी थीं जिनके तहत दर्जन दो दर्जन गांव आते थे। बड़े देशी रजवाड़े,भारतीय इतिहास की लंबी राजनीतिक प्रक्रियाओं और अंग्रेजी नीतियों का परिणाम थे। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जब पहली बार देशी रियासतों की समस्या को लेकर माउंटबेटन से बातचीत की तो उन्होंने वायसराय से 'आजादी मिलने के दिन सेब से भरी हुई एक पूरी टोकरी को एक साथ लाने के लिए कहा था'। इस पर माउंटबेटन ने उनसे पूछा कि क्या वे 565 सेबों के थैले में से 560 पर संतुष्ट हो जाएंगे? कांग्रेस के कद्दावर नेता ने इस पर अपनी सहमति जताई। कांग्रेस ने इन रजवाड़ों की समस्या के समाधान का जिम्मा प्रशासनिक कार्यों में सख्त माने जाने वाले वल्लभभाई पटेल को सौंप दिया था। 27 जून को भारत सरकार द्वारा एक नए राज्य विभाग का गठन किया गया था जिसका दायित्व सरदार पटेल को दिया गया था। सरदार ने अपने सचिव के रूप में वी.पी.मेनन को चुना था। वी.पी.मेनन ने अपने पूर्व अधिकारी वायसराय माउंटबेटन और नए अधिकारी सरदार पटेल के मध्य समझ और सामंजस्य स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 1947 के प्रारंभ से ही सरदार पटेल ने राजा-महाराजाओं के लिए शानदार पार्टियों का आयोजन करना शुरू कर दिया था जहां उन्होंने अपने अतिथियों से कहा कि वे हिंदुस्तान के संविधान निर्माण में कांग्रेस का सहयोग करें। सरदार पटेल ने कहा कि वे संविधान सभा में अपने प्रतिनिधियों को भेजकर ऐसा कर सकते हैं। इसी के साथ ही उन्होंने रजवाड़ों के दीवानों को भी समझौता स्वीकार करने के लिए कहा। बीकानेर के महाराजा ने सबसे पहले सरदार पटेल के प्रस्ताव का समर्थन किया। बीकानेर के दीवान का नाम के.एम.पाणिकर था जो प्रसिद्ध इतिहासकार भी थे उन्होंने तत्कालीन परिस्थितियों को भांप लिया था और उनका मानना था कि राष्ट्रवादी ताकतों को रोकना अब असंभव है और जिसने इनके साथ समझौता नहीं किया,वह इतिहास के बियावान में खो जाएगा। बीकानेर ने अन्य दूसरे रजवाड़ों से अपील की कि वे संविधान सभा में शामिल हो जाएं। पाणिकर ने कहा कि 'संविधान सभा में शामिल हो जाने से सभी देशवासियों के लिए स्पष्ट संदेश जाएगा कि देशी रजवाड़े सिर्फ अपने राज्यों और मातृभूमियों के लिए ही अच्छा काम नहीं कर रहे हैं बल्कि वे भारतमाता के देशभक्त और योग्य सुपुत्र भी हैं'। पाणिकर की अपील के बाद दर्जनों रियासतों ने संविधान सभा में शामिल होने का निर्णय लिया। जिनमें से ज्यादातर राजस्थान से थे। सरदार पटेल, वी.पी.मेनन और माउंटबेटन तीनों ने मिलकर एक विलय पत्र तैयार किया, जिसके मुताबिक देशी रियासतों को प्रतिरक्षा, विदेशी मामले और संचार जैसे विषयों को कांग्रेस सरकार को हस्तांतरित कर देना था। 5 जुलाई 1947 में सरदार पटेल ने एक बयान जारी किया जिसमें उन्होंने देसी रियासतों से अपील की कि वे इन तीन मुद्दों पर भारतीय संघ में अपना विलय स्वीकार कर लें और संविधान सभा में शामिल हो जाएं। उन्होंने आगे कहा कि 'देश हित में सरकार से सहयोग' नहीं करने का मतलब 'अराजक और अफरातफरी के माहौल' को आमंत्रित करना होगा। सरदार पटेल ने देशी राजाओं से देशभक्ति की भावना प्रदर्शित करने का आह्वान किया और दुनिया के देशों के बीच इस 'पवित्र भूमि को उसका सम्मानजनक स्थान दिलाने में सहयोग करने की अपील भी की। 15 अगस्त 1947 तक लगभग सारी देशी रियासतों ने विलय पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए थे। विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने वाली रियासतों को सरकार अन्य मामलों में उनके स्वायत्त अस्तित्व का सम्मान करेगी। लेकिन विलय के बाद सरकार इस शर्त से मुकर गई जिससे रजवाड़ों के बीच असंतोष फैल गया। मैसूर में 'पूर्ण लोकतांत्रिक सरकार' के लिए एक आंदोलन शुरू हो गया जिसमें 'तीन हजार लोगों ने गिरफ्तारियां दीं'। काठियावाड़ और उड़ीसा की रियासतों में आंदोलनकारियों ने सरकारी कार्यालयों,अदालतों और जेलों पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल ने बड़ी चतुराई से जन-विरोध के हथियार का इस्तेमाल कर रजवाड़ों को अपनी बात मानने के लिए मजबूर कर दिया। रजवाड़ों के स्वतंत्र अस्तित्व का विलय भारतीय संघ में हो गया था। इसके एवज में उनको उनकी पदवियां और उपाधि रखने की अनुमति दी गई थी और आजीवन सालाना रकम बतौर पेंशन मिलनी थी। रियासतों का भारत में विलय हो जाने के बाद उन राज्यों का प्रशासनिक रूप से देश की व्यवस्था के साथ एकीकरण करना आसान काम नहीं था। अधिकांश राज्यों की व्यवस्था पुरातन काल की थी और साथ ही उनमें जनता का कोई लोकप्रिय प्रतिनिधि भी नहीं था। इन राज्यों के मामलों को देखने वाले मंत्रालय ने ब्रिटिश भारत में प्रशिक्षित अधिकारियों को इन राज्यों में नया शासन तंत्र स्थापित करने के लिए भेजा गया। इन राज्यों में औपचारिक चुनाव से पहले एक अंतरिम सरकार का गठन भी किया गया। सरदार पटेल ने शुरुआत में कुछ रजवाड़ों के महाराजाओं को अपने पक्ष में लाने के लिए 'बांटो और राज करो' की ब्रिटिश नीति को भी अपनाया और कुछ दूसरे राज्यों में आंतरिक उथल-पुथल को भी बढ़ावा दिया। इसी के साथ उन्होंने महाराजाओं को बच्चों के समान बहलाने फुसलाने का काम भी किया जिससे उनके अहं को तुष्ट किया जा सकें। राजाओं को उनकी पदवियां रखने की इजाजत के साथ कई और नई पदवियां भी बांट दी। कई महाराजाओं को राज्यों का राज्यपाल भी बना दिया गया। महज दो वर्षों में 500 से अधिक स्वायत्त और प्राचीन रियासतें इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई और नए स्वतंत्र हिंदुस्तान की चौदह नई प्रशासनिक इकाईयों का हिस्सा बन गईं। स्वतंत्र भारत के लिए यह एक आश्चर्यजनक उपलब्धि थी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी थी कि इस उपलब्धि को किसी लड़ाई से हासिल नहीं किया गया था,बल्कि सरदार पटेल की बुद्धिमत्ता,दूरदर्शिता और कड़ी मेहनत का नतीजा थी। सरदार पटेल की रणनीति ने ही यह सुनिश्चित किया कि उत्तर-औपनिवेशिक भारत छोटे-छोटे टुकड़ों में नहीं बंटेगा। जब जम्मू और कश्मीर,हैदराबाद और जूनागढ़ रियासतों ने भारत में विलय करने से इनकार कर दिया तो सरदार पटेल ने सेना का इस्तेमाल करके हैदराबाद और जूनागढ़ का भारत में विलय करवाया। जम्मू और कश्मीर में ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हुई जिसके कारण वहां के शासक को भारत में विलय होने के लिए विवश होना पड़ा। विलय के बाद सरदार पटेल ने जम्मू और कश्मीर में सेना भेजकर भारत की स्थिति को मजबूत किया। स्वतंत्र भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जिन्होंने 562 देशी रियासतों का सफलतापूर्वक भारतीय संघ में विलय करवाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। ये रजवाड़े भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का एक तिहाई थे। पटेल की कूटनीति और रणनीतिक कुशलता के कारण ही अधिकांश रजवाड़ों ने भारत में अपने विलय को स्वीकार कर लिया। ये सभी घटनाएं और तथ्य इतिहास में पहले से ही दर्ज है इन्हें दुबारा दोहराने का मकसद सिर्फ इतना है कि स्वतंत्र अखंड भारत के निर्माण के लिए सफल प्रयास करने वाले नेता का स्मरण किया जा सकें और देश की एकता और अखंडता को बरकरार रखा जा सकें। सरदार वल्लभ भाई पटेल की गणना उन राष्ट्र-निर्माताओं में की जाती है जिनके बिना आधुनिक भारत के वर्तमान स्वरूप की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पटेल बहुत कम समय तक जीवित रहे,पर अपने छोटे से ही कार्यकाल में उन्होंने लोकतांत्रिक राज्य की आधारशिला रखने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन किया।

# सरदार पटेल : रियासतों का ही नहीं, दिलों का भी एकीकरण किया

जयंती पर विशेष

अतुल गोयल

लेखक न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंजीनियर हैं।

इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे हैं, जो समय की सीमाओं से परे जाकर राष्ट्र की आत्मा में बस गए हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल ऐसा ही एक अद्वितीय नाम हैं, वह लौहपुरुष, जिसने अपने अदम्य साहस, अडिग संकल्प, अटूट निष्ठा और अद्भुत कूटनीतिक कौशल से उस भारत का निर्माण किया, जो आज विश्व मानचित्र पर एक सशक्त, एकीकृत राष्ट्र के रूप में खड़ा है। उन्होंने केवल रियासतों का नहीं बल्कि दिलों का भी एकीकरण किया। उनका जीवन इस सत्य का प्रतीक है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रप्रेम मिलकर इतिहास को दिशा दे सकते हैं। हर वर्ष 31 अक्टूबर को जब देश 'राष्ट्रीय एकता दिवस' मनाता है तो यह केवल श्रद्धांजलि नहीं बल्कि उस अमर भावना का उत्सव है, जिसने हमें एक संविधान, एक ध्वज और एक अखण्ड राष्ट्रीय आत्मा के सूत्र में पिरोया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2014 में इस दिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस घोषित करने का उद्देश्य यही था कि देश सरदार पटेल की एकता की भावना से प्रेरणा ले और उस अखण्ड भारत के विचार को निरंतर जीवित रखे, जिसके निर्माता वे स्वयं थे। 31 अक्तूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद में एक साधारण किसान परिवार में जन्मे वल्लभभाई पटेल ने अपने कर्म, विचारों और दृढ़ता से असाधारणता की मिसाल पेश की। बचपन से ही उनमें आत्मविश्वास और न्यायप्रियता कूट-कूटकर भरी थी। अन्याय के खिलाफ वे निर्भीक होकर आवाज उठाते थे। कहा जाता है कि जब वे विद्यालय में थे, तब एक शिक्षक बच्चों को जबरन अपनी दुकान से पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य करते थे, जिसका वल्लभभाई ने खुलकर विरोध किया। यही स्वभाव आगे चलकर उन्हें एक अडिग और निडर नेता के रूप में स्थापित करता है।

पटेल की एकाग्रता और दृढ़ता का उदाहरण उनके बचपन की एक घटना से मिलता है। जब वे अपने पिता के साथ खेतों में जाते थे, तब हल के पीछे चलते हुए पहाड़े याद करते। एक बार चलते-चलते उनके पैर में बड़ा कांटा धंस गया पर वे इतना तन्मय होकर पहाड़े याद कर रहे थे कि उन्हें दर्द का अहसास तक नहीं हुआ। उनके पिता ने जब उनके पैर से कांटा निकालकर उपचार किया तो वल्लभभाई की एकाग्रता देखकर उन्होंने आशीर्वाद दिया कि वह जीवन में बहुत बड़ा कार्य करेगा। यही भविष्यवाणी आगे चलकर सच साबित हुई।

वल्लभभाई पटेल 1905 में इंग्लैंड जाकर कानून की पढ़ाई करना चाहते थे किंतु एक डाकिये की गलती से पासपोर्ट और टिकट उनके बड़े भाई विट्ठलभाई पटेल को मिल गए। दोनों भाईयों के नाम एक जैसे अक्षरों से शुरू होते थे, इसलिए भ्रम हो गया। वल्लभभाई ने किसी विवाद के बिना बड़े भाई को इंग्लैंड जाने दिया और स्वयं धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा की। यह त्याग और विनम्रता उनके व्यक्तित्व की गहराई को दर्शाती है। बाद में उन्होंने भी इंग्लैंड जाकर वकालत की पढ़ाई पूरी की और भारत लौटकर अहमदाबाद में वकालत प्रारंभ की। परंतु उनका जीवन केवल वकालत के पेशे तक सीमित नहीं रहा। महात्मा गांधी के विचारों ने उनके भीतर छिपे देशभक्त को जाग्रत किया। सत्य, अहिंसा और सेवा के सिद्धांतों से प्रेरित होकर वे स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े और जल्द ही कांग्रेस के प्रमुख स्तंभ बन गए।

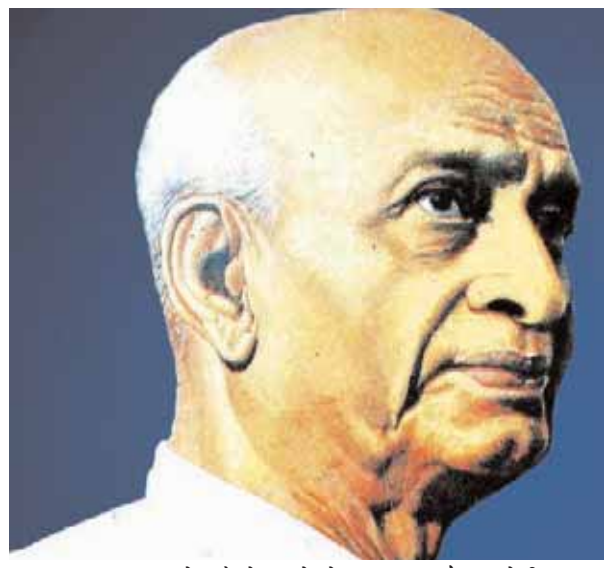

सरदार पटेल के नेतृत्व में खेड़ा सत्याग्रह और बारडोली सत्याग्रह जैसे आंदोलनों ने न केवल ब्रिटिश सत्ता को झकझोरा बल्कि भारतीय किसानों को अपने अधिकारों के प्रति सजग किया। बारडोली के किसानों ने जब उनके नेतृत्व में अन्यायपूर्ण करों के खिलाफ असहयोग आंदोलन किया, तब उनकी सफलता के बाद जनता ने उन्हें 'सरदार' की उपाधि दी। यही उपाधि आगे चलकर उनके नाम के साथ स्थायी रूप से जुड़ गई। स्वतंत्र भारत के इतिहास में उनका सबसे बड़ा योगदान रहा देशी रियासतों का एकीकरण। आजादी के बाद भारत के समक्ष सबसे कठिन चुनौती थी 550 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में बांधना। अंग्रेजों ने जाते-जाते भारत को टुकड़ों में बांटने की साजिश रची थी ताकि यह देश कभी एकजुट न हो सके पर सरदार पटेल ने अपनी असाधारण राजनीतिक बुद्धिमत्ता और कूटनीतिक कौशल से वह कार्य कर दिखाया, जिसे असंभव माना जा रहा था। उन्होंने रियासतों को भारत में विलय के लिए मनाया, कभी संवाद से, कभी दृढ़ता से और जहां आवश्यकता पड़ी वहां सेना का सीमित प्रयोग भी किया। केवल हैदराबाद में 'ऑपरेशन पोलो' के माध्यम से उन्हें सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी, बाकी सभी रियासतों ने बिना हिंसा के भारत में शामिल होने का निर्णय लिया। इस असाधारण कार्य ने उन्हें 'भारत का बिस्मार्क' बना दिया।

सरदार पटेल ने न केवल राजनीतिक एकता स्थापित की बल्कि प्रशासनिक ढांचे को भी मजबूत किया। भारतीय सिविल सेवा को उन्होंने नई दिशा दी, जिसे आज 'भारतीय प्रशासनिक सेवा' (आईएएस)' के रूप में जाना जाता है। वे कहते थे 'ये सेवाएं देश की रीढ़ हैं। अगर इनका चरित्र मजबूत रहेगा तो राष्ट्र भी मजबूत रहेगा।' उनकी यह सोच आज भी भारतीय शासन व्यवस्था का मार्गदर्शन करती है। पटेल के जीवन में सादगी और ईमानदारी असाधारण स्तर की थी। वे सत्ता को कभी भोग का साधन नहीं मानते थे बल्कि सेवा का माध्यम समझते थे। उनके निधन के बाद जब उनकी संपत्ति की जांच हुई तो उनके नाम पर कोई निजी संपत्ति नहीं मिली। यह उस समय का सबसे बड़ा उदाहरण था कि सार्वजनिक जीवन में निष्कलंक आचरण क्या होता है।

उनकी विनम्रता और सादगी का एक प्रसंग आज भी प्रेरणा देता है। एक बार जब वे भारतीय विधानसभा के अध्यक्ष थे, तब एक विदेशी दंपत्ति उनसे भवन दिखाने का अनुरोध करने लगा। सादे कपड़ों और बढ़ी हुई दाढ़ी के कारण दंपत्ति ने उन्हें कर्मचारी समझ लिया। पटेल ने बिना अपनी पहचान बताए उन्हें पूरी असेंबली घुमाई। अगले दिन वही दंपत्ति जब सभा की बैठक देखने आया तो अध्यक्ष की कुर्सी पर उसी व्यक्ति को देखकर हैरान रह गया। उसकी आंखों में सम्मान और ग्लानि दोनों थे। यह प्रसंग बताता है कि सच्चा महान व्यक्ति कभी अपने पद या गौरव से बड़ा नहीं होता बल्कि अपने व्यवहार से बड़ा होता है। 15 दिसम्बर 1950 को जब सरदार पटेल ने दुनिया को अलविदा कहा तो पूरा राष्ट्र शोक में डूब गया। वे चले गए लेकिन उनके विचार, उनकी प्रेरणा और उनकी एकता का संदेश आज भी उतना ही जीवंत है। उन्हें मरणोपरांत 1991 में भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' प्रदान किया गया। आज भी देश के कोने-कोने में उनके विचारों की गूंज सुनाई देती है। गुजरात में निर्मित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है, जो न केवल उनकी स्मृति का प्रतीक है बल्कि भारत की एकता, शक्ति और गौरव का प्रतीक भी है।

सरदार पटेल का जीवन हमें सिखाता है कि राष्ट्र की एकता केवल सीमाओं से नहीं बल्कि विचारों से बनती है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि नेतृत्व में दृढ़ इच्छाशक्ति, ईमानदारी और देशभक्ति हो तो किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। उन्होंने विविधताओं में एकता का मंत्र दिया और हमें सिखाया कि भारत की शक्ति उसकी बहुलता में है, विभाजन में नहीं। सरदार पटेल की विरासत हमें यह याद दिलाती है कि भारत की आत्मा उसकी एकता में है। जब तक हम इस एकता को जीवित रखेंगे, तब तक हमारा राष्ट्र अटूट रहेगा। सरदार पटेल का जीवन इस सत्य का जीवंत प्रमाण है कि एक व्यक्ति की दृढ़ता, सादगी और राष्ट्रप्रेम सम्पूर्ण इतिहास की दिशा बदल सकता है। वे केवल लौहपुरुष नहीं बल्कि उस अखण्ड भारत के शिल्पी थे, जिसकी नींव उनके दृढ़ हाथों और अडिग विश्वास से रखी गई।

## राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ आज दिलायी जायेगी

**धार।** एकता, अंखडता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ 31 अक्टूबर को दिलायी जायेगी। जिले में रन फॉर यूनिटी का आयोजन स्थानीय जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में आमजन की सहभागिता से किया जायेगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने जिलों में आयोजित शपथ कार्यक्रम में अधिकारियों तथा कर्मचारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150वे जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में एकता दौड़ का आयोजन किया जा रहा है, जो लाल बाग घोड़ा चौपाटी से प्रारंभ होकर, इंदौर नाका से वापस लाल बाग पर समाप्त होगी।

## जिला स्तरीय युवा उत्सव में विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों से मोहा मन

**धार।** युवा उत्सव 2025-26 के अंतर्गत बुधवार को अंतर-महाविद्यालय जिला स्तरीय सांस्कृतिक विधाओं का आयोजन शासकीय कन्या महाविद्यालय धार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. शशि चौधरी, मुकेश सोलंकी, केशव मोदिया एवं डॉ. सुशील फड़के प्रभारी प्राचार्य द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित, माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। युवा उत्सव अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में जिले के आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, यश कॉलेज ऑफ एजुकेशन बदनावर, शासकीय महाविद्यालय, कुक्षी के दलों ने सहभागिता की। अंतर जिला विश्विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए चयनित प्रतिभागियों में एकल नृत्य शास्त्री हिमांशी सुनेरे बीएसी द्वितीय वर्ष एवं हर्षिता कर्मा बीएससी द्वितीय वर्ष, ज्योति भवानसिंह, बीएससी द्वितीय वर्ष, शिवानी चौहान बीएससी प्रथम वर्ष, प्रिया चौहान बीकॉम प्रथम वर्ष, अंजली राय बीएससी प्रथम वर्ष, नाटक (एकांकी) में आशीष कुमार, मनीष खाण्डे, शीतल यादव, गौतम प्रजापत, हर्षिता राठौड लोक नृत्यक (समूह) में सलोनी पानखरे, श्रृद्धा पाटीदार, प्राची यादव, विनती चौहान, रोशनी यादव आदर्श कॉलेज धामनोद ने इन सभी विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेन्द्र कुमार तिवारी, सचिन राठौड एवं आभार युवा उत्सव प्रभारी प्रो. जयश्री कनोजे ने माना।

## कलेक्टर ने धार मंडी का निरीक्षण कर भावांतर योजना की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

### किसानों और व्यापारियों से चर्चा कर उनके सुझाव जाने

**धार।** कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने गुरुवार को धार कृषि उपज मंडी का औचक निरीक्षण कर सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना के तहत चल

रही खरीदी व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मंडी परिसर में खरीदी केंद्रों, तुलाई व्यवस्था, भुगतान प्रक्रिया तथा किसानों के लिए की गई सुविधाओं का निरीक्षण किया।कलेक्टर मिश्रा ने मंडी में उपस्थित किसानों और व्यापारियों से चर्चा की तथा उनके सुझाव सुने। उन्होंने बताया कि मंडी में भावांतर योजना के तहत खरीदी सुचारू रूप से चल रही है। किसानों की भावों से जुड़ी समस्याओं पर प्रशासन ने किसानों और व्यापारियों को एक साथ बैठाकर समाधान निकाला है। उन्होंने कहा कि किसानों और व्यापारियों के बीच संबंध बहुत पुराने हैं, और यदि कभी कोई छोटी-मोटी समस्या आती भी है, तो उसे आपसी सहमति से सुलझा लिया जाता है।कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा तय किए गए दरों को ही अंतिम माना जाएगा ताकि किसी भी स्तर पर भ्रम की स्थिति न बने। उन्होंने मंडी सचिव को सख्त निर्देश दिए कि मंडी की सभी व्यवस्थाओं में सुधार किया जाए और किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही, उन्होंने किसानों से भी सहयोग की अपील की ताकि खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी और सुगम रूप से पूरी की जा सके। कलेक्टर ने कहा कि भावांतर योजना मध्य प्रदेश सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, जिसे गहन विचार-विमर्श के बाद लागू किया गया है। इस योजना का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना और उन्हें बाजार की अस्थिरता से सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना के अंतर्गत जो किसान पंजीकृत हैं, उन्हें शासन द्वारा घोषित दरों के अनुसार पूरा लाभ प्राप्त होगा।उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि जो लोग इस योजना के खिलाफ गलत अफवाहें या दुष्प्रचार फैलाने का प्रयास करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने किसानों से अपील की कि वे किसी भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें और निश्चिंत होकर मंडियों में आकर अपनी उपज बेचें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मंडी में पेयजल, तुलाई, भुगतान और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम राहुल गुप्ता, मंडी सचिव, कृषि विभाग के अधिकारी एवं अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

## गोपाष्टमी पर्व के कार्यक्रम में शामिल हुए श्री खंडेलवाल

**बैतूल।** दशहरा मैदान अयोध्या बायपास रोड़ भोपाल में आयोजित गोपाष्टमी कार्यक्रम में प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती के साथ बैतूल नगर सुधार न्यास के पूर्व अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल शामिल हुए।

इस अवसर पर गौ सांसद युवराज मालवी गौड़, कामेश्वर सिंह सहित अन्य गौ भक्त मौजूद थे। वहां से लौटते हुए श्री खंडेलवाल घोड़ाडोंगरी स्थित घोडाडोंगरी स्थित गोपाला गौशाला में पहुंचकर वह माता की पूजा की। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव रामजीलाल उइके, प्रीति वर्धन, गौ सांसद युवराज मालवीय, गौ सांसद प्रतिनिध डॉ राकेश मालवीय, गौ सेवक गणेश दरबई, गौ पार्षद शिव नामदेव, शिव नामदेव, अजय कुमार, राजू महाराज, नगरपालिका अध्यक्ष दीपक वर्मा, गौ सांसद प्रतिनिधि डॉ राकेश मालवीय, आशीष साहू, राकेश अरोड़ा, शिवराज पटले,राजेंद्र मालवीय, नारायण मालवी आदि लोग उपस्थित थे।

# बारिश में मिट्टी का कटाव बढ़ने से प्रभावित हो सकता है मार्ग

**एस. द्विवेदी बैतूल।**

बारिश से पुल-पुलिया का कटाव यानि पुल-पुलिया के किनारे से, जो मिट्टी बही थी, उसे अभी तक नहीं भरा गया है। इससे भविष्य में पुलिया या सड़क धंसने की संभावनाएं बढ़ गई है। कुछ स्थानों पर हालात यह है कि संकरे पुल-पुलिया के दोनों ओर मिट्टी का कटाव सड़क तक पहुंच गया है। करबला घाट के पास पुलिया पर मिट्टी के कटाव से वाहनों के गिरने और अनियंत्रित होकर स्लिप होने की संभावनाएं और बढ़ गई है। बता दे कि शहर के करबला के पास पुलिया के बगल में मिट्टी गायब हो गई है। करबला के पास की इस पुलिया के ऊपर डामर ही रह गया है, नीचे से मिट्टी धंसक गई है। 6-6 फीट गहरे कटाव हो गए हैं। ऐसे में समय रहते कटाव नहीं भरा तो कटाव और बढ़ जायेगा। इस स्थिति में कोई भारी वाहन पुल-पुलिया से गुजरता है तो जमीन धंसने या सड़क धंसने से बड़ा हादसा भी हो सकता है। करबला पुल के पास रोड के ऊपर डामर है, नीचे मिट्टी पूरी धंसक गई है। लेकिन मरम्मत नहीं करवाई है, जबकि

### पुल-पुलिया के समीप हुए कटाव को अब तक नहीं भरा

यहां पर सामान्य कारों के साथ बस और ट्रक भी गुजरते हैं। जिससे वाहन चालकों में इस पुल को पार करते समय हमेशा हादसे का खतरा बना रहता है। इस संबंध में पीडब्ल्यूडी विभाग की ईई प्रीति पटेल को फोन लगाया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

**इंदौर फोरलेन को जोड़ती है सड़क की यह पुलिया** -शहर को इंदौर फोरलेन के साथ परतवाड़ा मार्ग से जोड़ने वाली सड़क पर करबला घाट के पास यह पुलिया है। यदि यह पुलिया धंसती है या क्षतिग्रस्त होती है तो वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही इंदौर हाइवे पर पहुंचने के लिए आठनेर रोड से हाइवे पर चढ़कर इंदौर रोड पर जाना होगा। इस दौरान बडोरा चौक पर वाहन चालकों को ट्रैफिक की समस्या से भी जूझना पड़ेगा। बता दे कि करबला पुल निर्माण का टेंडर हो चुका है, लेकिन इस पुलिया के निर्माण के लिए अभी तक कोई भी योजना तैयार नहीं की है। वाहन चालकों का कहना है कि समय रहते पुलिया निर्माण या मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले बरसात के समय तक यह पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकती है।

**कई बार लग जाता है लंबा जाम-** करबला के पास की यह पुलिया मिट्टी के कटाव के कारण काफी संकरी हो गई है। जिस पर से एक समय एक ही वाहन निकल सकता है। ऐसे में एक-एक कर वाहन निकलने के कारण दूसरी तरफ लंबा जाम लग जाता है। चूंकि यह पुलिया करबला पुल से बिलकुल लगी हुई है। इस कारण इस पुलिया का निर्माण किया जाना आवश्यक है, क्योंकि कुछ ही समय बाद करबला पुल का निर्माण भी शुरू होने वाला है। ऐसे में इस पुलिया से वाहनों का आवागमन और बढ़ जायेगा। कंस्ट्रक्शन के लिए मटेरियल लेकर वाहन इसी पुलिया से गुजरेगे। इसके अलावा इंदौर-नागपुर हाइवे पर पहुंचने के लिए भी अधिकांश लंबे रूट के ट्रक इसी मार्ग का सहारा लेते है। इस स्थिति में इस पुलिया का निर्माण अति आवश्यक हो जाता है।

### इनका कहना है -

फिलहाल यह पीडब्ल्यूडी के अंडर आती है। हमने सिर्फ अनापत्ति पत्र लिया है कि यदि हमारा प्रोजेक्ट पास होता है तो सडक़ निर्माण कराया जायेगा। इसके साथ ही पुलिया भी बनाते, लेकिन अभी हमारे प्रोजेक्ट के लिए शासन से पैसा भी नहीं मिला है। प्रोजेक्ट को स्वीकृति मिलती है तो हम पुलिया निर्माण या सुधार करवा देगे।

**नीरज धुर्वे, एई, नगरपालिका बैतूल**

### सडक़ हुई खराब, बढ़ रही दुर्घटनाएं

शाहपुर नगर से लगभग 5 किमी दूर ग्राम कुंडी जोड़, जो कुंडी टोल प्लाजा से मात्र 1 किमी की दूरी पर है, टोल प्लाजा पर वसूली तो जारी है, परंतु रोड बनाने वाली कंपनी के रोड का हाल बहुत बुरा है। कुंडी ग्राम के ग्रामीणों ने बताया कि सडक़ कंपनी के द्वारा बनाए गए मार्ग की हालत बहुत खराब हो चुकी है। कुंडी बस स्टॉप के पास से ग्राम कुंडी में जाने वाला मार्ग उबड़ खाबड़ गड्ढों में तब्दील हो गया है। ग्राम के शैलेंद्र वटके और आशा वर्मा ने बताया कि यहां पर आए दिन रोज दुर्घटनाएं मोटरसाइकिल सवारों के साथ हो रही है। बाइक चालक स्लिप होकर गिर जाते है, तो वहीं किसी के सिर में चोट लगती है। बावजूद टोल प्लाजा कुंडी के द्वारा इस और ध्यान दिया जा रहा है।

# विधायक ने मृतक के परिजनों को सांत्वना देकर की एक लाख रूपये प्रदान करने की घोषणा

### थाना प्रभारी को आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने के दिए निर्देश

**बैतूल/मुलताई।** ग्राम खरसाली निवासी आदिवासी युवक की हत्या की घटना के बाद शोक में डूबे मृतक के परिवार को सांत्वना देने के लिए गुरुवार को विधायक चंद्रशेखर देशमुख ग्राम खरसाली पहुंचे। विधायक श्री देशमुख ने मृतक के परिजनों से चर्चा कर घटना पर दुख जताते हुए परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वही आर्थिक सहायता बतौर एक लाख रुपए देने की भी घोषणा की। गौरतलब है कि बीते मंगलवार को रात 8.30 बजे के दरमियान बस स्टैंड के सामने स्थित किसान स्तंभ के पीछे से पारेगांव जाने वाले मार्ग पर स्थित श्री होटल के सामने अपने दोस्तों के साथ चाय पी रहे ग्राम खरसाली निवासी आदित्य पिता राजू टेकाम 20 साल और उसके दोस्त सतीश के साथ आरोपियों ने मारपीट की थी। इस दौरान एक आरोपी ने आदित्य पर चाकू से हमला कर दिया था।

गंभीर रूप से घायल आदित्य का सरकारी अस्पताल में उपचार करने के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया था लेकिन जिला अस्पताल पहुंचने के पूर्व ही आदित्य की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस प्रकरण में चार नामजद और दो अन्य आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। गुरुवार सुबह विधायक श्री देशमुख भाजपा नेताओं के साथ ग्राम खरसाली पहुंचे। श्री देशमुख ने मृतक आदित्य के पिता राजू टेकाम सहित अन्य परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने मृतक के परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा इस दुख की घड़ी में हम सब आपके साथ है। आरोपियों को जल्द जल्द गिरफ्तार

किया जाएगा। श्री देशमुख ने मृतक के परिजनों के सामने ही थाना प्रभारी को फोन लगाकर आरोपियों को शीघ्र पकडऩे की निर्देश दिए। विधायक देशमुख ने कहा कि ऐसी घटना दोबारा ना हो इसके लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी, उन्होंने क्षेत्र में नशे एवं अवैध गतिविधियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाने की बात भी कही। श्री देशमुख ने मृतक के परिवार को एक लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

वही मृतक के परिवार के मकान की हालत देखते हुए श्री देशमुख ने सरपंच को त्वरित रूप से कार्रवाई कर मृतक के परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान विधायक के साथ भाजपा जिला उपाध्यक्ष जगदीश पवार, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष गणेश साहू, भाजपा वरिष्ठ नेता राजेश पाठक, उपेंद्र पाठक, नपा सभापति अजय यादव सहित अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे।

## निर्वाचन नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण के चलते 7 फरवरी तक अधिकारियों-कर्मचारियों की छुट्टियां प्रतिबंधित

**बैतूल।** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार जिले में निर्वाचन नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने आदेश जारी करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों के अनुसार जिले के सभी निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी तथा उनसे जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारी 28 अक्टूबर से प्रारंभ इस विशेष अभियान में सक्रिय रहेंगे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान निर्वाचन कार्य से जुड़े समस्त अधिकारी-कर्मचारी एवं विभागीय बीएलओ/बीएलओ सुपरवाइजरों का अवकाश 7 फरवरी 2026 तक प्रतिबंधित किया है।

# किसानों व सर्वहारा वर्ग की खुशहाली हेतु मां ताप्ती चुनरी पद यात्रा 5 नवम्बर को

### बैतूल से खेड़ी ताप्ती घाट तक हजारों धर्म प्रेमियों के साथ पदयात्रा करते हैं पूर्व विधायक निलय डागा

**बैतूल।** पूर्व विधायक निलय डागा के नेतृत्व में बैतूल से खेड़ी ताप्ती घाट तक प्रतिवर्ष निकाली जाने वाली मां ताप्ती चुनरी पदयात्रा इस वर्ष आगामी 5 नवंबर को निकाली जाएगी। मां ताप्ती के भक्त मोंटी चौधरी ने बताया कि यह यात्रा अब एक जनआस्था का महापर्व बन चुकी है, जिसने पूरे जिले को एक सूत्र में बांध दिया है। ये वही यात्रा है जो सूर्य पुत्री जीवनदायिनी मां ताप्ती के प्रति अटूट श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक बन चुकी है और किसानों और सर्वहारा वर्ग की खुशहाली की प्रार्थना का माध्यम भी है। मां ताप्ती के भक्त पूर्व विधायक निलय डागा के नेतृत्व में लगातार 9वें वर्ष यह धार्मिक यात्रा बैतूल से खेड़ी ताप्ती घाट तक प्रस्थान करेगी। विगत वर्षों में इस पदयात्रा को जिलेभर से मिला अपार समर्थन, श्रद्धा और जनसहभागिता ने इसे जनआस्था का पर्व बना दिया है। पूर्व विधायक निलय डागा ने बताया कि नर्मदा परिक्रमा यात्रा से प्रेरित होकर उन्होंने इस धार्मिक परंपरा की शुरुआत की थी। तब से लेकर अब तक यह यात्रा लगातार श्रद्धा, भक्ति और सामूहिक आस्था का प्रतीक बन गई है।

# कलेक्टर के निर्देश पर जिले में शुरू हुआ दीवार लेखन अभियान

### कृषि अभियांत्रिकी विभाग किसानों को दे रहा नरवाई प्रबंधन का संदेश

**बैतूल।** कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर जिले में नरवाई प्रबंधन को लेकर जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। कृषि अभियांत्रिकी विभाग ने जिले के सभी विकासखण्डों में दीवार लेखन कार्यक्रम शुरू कर किसानों को नरवाई न जलाने और फसल अवशेष के सही उपयोग का संदेश देना शुरू किया है।

सहायक कृषि यंत्री डॉ.प्रमोद मीणा ने बताया कि अभियान के तहत ग्राम पंचायत भवनों, कृषि केंद्रों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर दीवारों पर स्लोगन लिखे जा रहे हैं। इनमें नरवाई में आग नहीं लगाना है, मृदा को स्वस्थ बनाना है। नरवाई में आग नहीं लगाना है, हैप्पी सीडर, स्ट्रा रीपर मल्चर को अपनाना है जैसे संदेशों के जरिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है।

उन्होंने ने बताया कि नरवाई जलाने से मिट्टी की

उर्वरता घटती है और पर्यावरण को नुकसान होता है। इसलिए किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे हैप्पी सीडर और स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम के उपयोग के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कृषि अभियांत्रिकी के पोर्टल के माध्यम से मल्चर सुपर सीडर के आवेदन किए जा रहे हैं। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए कार्यालय सहायक कृषि यंत्री बैतूल से भी संपर्क किया जा सकता है।

### जिले में वर्षा से प्रभावित किसानों की फसलों का किया सर्वे

**बैतूल।** किसान कल्याण तथा कृषि विकास के उप संचालक ने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में माह सितंबर एवं अक्टूबर 2025 में वर्षा से खरीफ की फसलों को हुए नुकसान के संबंध में किसानों द्वारा फसल बीमा कंपनी एसबीआई जनरल इन्श्योरेन्स के हेल्पलाइन नंबर-14447 पर 14 हजार 645 पात्र शिकायतें दर्ज की गई है। जिसमें सोयाबीन की 13 हजार 413, मक्का की 1 हजार 224, धान की 4, उड़द 3 तथा ज्वार की 1 शिकायत दर्ज कराई गई है। जिसमें से बीमा कंपनी के अधिकृत सर्वेयरों एवं कृषि विभाग के क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा वर्तमान समय तक 14 हजार 253 शिकायतों से संबंधित किसानों के खेतों का सर्वे कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा 392 शिकायतों का सर्वे कार्य प्रगतिरत है। उपरोक्तानुसार शिकायतों के निराकरण की कार्यवाही बीमा कंपनी द्वारा की जा रही है।

## न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत की जाए मक्का की खरीदी

### तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, 7 दिनों में निराकरण नहीं होने पर धरने की दी चेतावनी

**बैतूल।** मक्का उत्पादक किसानों ने अपनी फसल की खरीदी दर में सुधार की मांग को लेकर गुरुवार को आठनेर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान किसानों ने उनकी मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखकर 7 दिनों में मांगे पूर्ण किए जाने की बात कही। किसानों ने ऐसा नहीं होने पर आठनेर में एक दिवसीय धारना देकर मंडी गेट पर अनिश्चितकालीन हड़ताल किए जाने की भी चेतावनी दी। किसानों का कहना है कि कम दरों पर फसल बेचने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। खेती में बढ़ती लागत, खाद, बीज और मजदूरी दरों के बीच किसानों की आय लगातार घट रही है। ऐसे में सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू की जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके। ज्ञापन के माध्यम से जिला पंचायत सदस्य रामचरण इरपाचे, जनपद सदस्य दीपक चौरे ने बताया कि इस वर्ष मक्का की मंडियों में दरें 1300 से 1700 प्रति क्विंटल तक ही मिल रही हैं, जो कि केंद्र सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी 2400 प्रति क्विंटल से काफी कम हैं।

# एनएसयूआई ने तोड़े बैरिकेड, कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

### छात्र संघ चुनाव बहाली और मेडिकल कॉलेज घोटाले की जांच की मांग

**बैतूल।** एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने छात्र संघ चुनाव बहाली, छात्रवृत्ति घोटाले की जांच और बैतूल मेडिकल कॉलेज को पीपीपी मोड से हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदेशाध्यक्ष आशुतोष चौकसे के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचने का प्रयास किया, जहां पुलिस ने उन्हें रोका। शहीद भवन में एकसभा के बाद, कार्यकर्ता रैली निकालकर कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेड लगाए और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, लेकिन प्रदर्शनकारी बैरिकेड तोडक़र कलेक्ट्रेट गेट तक पहुंच गए। उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन लेने के लिए बाहर बुलाने की मांग की। इसके बाद पुलिस ने एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष सहित लगभग तीन दर्जन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। उन्हें वाहन में बैठाकर ऑडिटोरियम ले जाया गया और बाद में छोड़ दिया गया। प्रदेशाध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि छात्रों की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन देने आए थे। सरकार लगातार छात्र संघ चुनाव कराने से डर रही है। 18 साल सीएम रहे शिवराज

सिंह, वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव छात्र राजनीति का प्रोडक्ट है। उसके बाद भी भाजपा छात्र संघ चुनाव कराने से डरती है। भाजपा को डर है कि कांग्रेस का छात्र संगठन उसे छात्र संघ चुनाव में पटखनी दे देगा। या शायद यह डर है कि कोई छात्र नेता इस राजनीति से निकलकर आ जाएगा तो उनके बच्चों का भविष्य खतरे में आ जायेगा।

### प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल

एनएसयूआई नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था अस्त-व्यस्त है और सरकार छात्रों की आवाज दबा रही है। उन्होंने बैतूल मेडिकल कॉलेज को पीपीपी मोड में देने को जनता और विद्यार्थियों के साथ धोखा बताया। एनएसयूआई ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। हालांकि, एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी का दावा किया, लेकिन बैतूल एसडीएम अभिजीत सिंह ने स्पष्ट किया कि किसी भी कार्यकर्ता को गिरफ्तार नहीं किया गया था, उन्हें केवल हिरासत में लेकर छोड़ा गया। प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा, प्रदेश सचिव समीर खान और एनएसयूआई जिलाध्यक्ष जैद खान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। एनएसयूआई की मुख्य मांगों में छात्र संघ चुनाव की बहाली, छात्रवृत्ति घोटाले की निष्पक्ष जांच और बैतूल मेडिकल कॉलेज को पीपीपी मोड से हटाना शामिल है।

# कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में न छूटे, विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाएं : कलेक्टर सूर्यवंशी

## 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को करेंगे गणना प्रपत्र वितरित और एकत्रित



**बैतूल (निप्र)।** जिले में कोई भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में न छूटे और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में सम्मिलित न हो इस उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की घोषणा की है। इस संबंध में मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने राजनैतिक दलों और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित एसआईआर कार्यक्रम के अनुसार 28 अक्टूबर से 30 नवंबर तक समस्त बीएलओ, बीएलए और संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी दौरान मतदाताओं की जानकारी एकत्रित करने के लिए निर्धारित विशेष गणना फार्म का मुद्रण भी होगा। इसके पश्चात 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना पत्रक वितरित और एकत्रित करेंगे। इसके बाद 9 दिसंबर को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक प्रारूप मतदाता सूची के लिए दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएगी। इसी प्रकार 9 दिसंबर से ही 31 जनवरी तक पिछली एसआईआर से लिंक नहीं हो पाए मतदाताओं को नोटिस जारी कर सुनवाई एवं प्रमाणीकरण का कार्य किया जाएगा। 07 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एसआईआर की प्रमुख प्रक्रियाओं के संबंध में बताया कि जिले के समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपनी विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज प्रत्येक मतदाता के लिए 27 अक्टूबर 2025 की स्थिति में विशेष गणना प्रपत्र तैयार करेंगे। गणना प्रपत्र में वर्तमान मतदाता सूची में सम्मिलित आवश्यक जानकारी होगी। इसके पश्चात प्रत्येक बीएलओ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मौजूदा मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित और एकत्रित करेंगे। साथ ही मतदाताओं को अपने नाम या उनके परिजन का नाम पिछली एसआईआर (जो वर्ष 2002-2003 में आयोजित हुआ था) में मिलान या लिंक करने में मदद करेंगे। मतदाता या बीएलओ मिलान/लिंकिंग के लिए पिछली एसआईआर की जानकारी के लिए अखिल भारतीय डेटा बेस द्धह्लह्लश्चः//1श्चह्लद्गह्यह्य.द्गष्द्ब.द्दश1.द्बठ्ठ/ की सहायता ले सकते है। निर्धारित कार्यक्रम के तहत बीएलओ नए मतदाता के नाम को जोड़ने के लिए फार्म-6 और घोषणा प्रपत्र भी एकत्र करेंगे। प्रत्येक बीएलओ अपने क्षेत्र के मतदाता के घर पर कम से कम तीन बार जाएंगे। उन्होंने बताया कि मतदाता विशेषकर शहरी या अस्थाई रूप से स्थानांतरित व्यक्ति गणना प्रपत्र ऑनलाइन भी भर सकेंगे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि बीएलओ ऐसे मतदाताओं की जांच करेंगे जो मृत हो चुके है, स्थाई रूप से स्थानांतरित चुके है या एक से अधिक स्थानों पर उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है। उन्होंने बताया कि एसआईआर में विशेष बात यह है कि मतदाता को गणना प्रपत्र के साथ किसी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। सभी ईआरओ और एईआरओ बीएलओ से प्राप्त गणना प्रपत्र के आधार पर ही मतदाताओं का नाम प्रारूप सूची में शामिल करेंगे। जिन मतदाताओं के नाम का पिछले एसआईआर से मिलान नहीं होगा, उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा। निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी द्वारा ऐसे मामलों की सुनवाई कर पात्रता निर्धारित करते हुए उनके नामों को अंतिम नामावली में शामिल करने या हटाने का निर्णय लिया जाएगा। निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के निर्णय के विरुद्ध प्रथम अपील डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट को की जा सकेगी। इसी प्रकार डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के निर्णय के विरूद्ध भी द्वितीय अपील मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को करने का प्रावधान किया गया है।

### एसआईआर के प्रमुख चरण

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि सर्वप्रथम सभी बीएलओस और निर्वाचक/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में समस्त राजनैतिक दलों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। जिसमें उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में समय-समय पर आवश्यक जानकारियों की ब्रीफिंग और राजनैतिक दलों से प्राप्त बूथ स्तर अभिकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीएलएएस मतदाताओं द्वारा भरे हुए गणना प्रपत्र एकत्र कर सकेंगे। प्रतिदिन अधिकतम 50 गणना प्रपत्र प्रमाणित कर सकते है और उन्हें बीएलओ को सौंप सकेंगे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि 9 दिसंबर को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में उन सभी निर्वाचकों का नाम शामिल होंगा, जिनके गणना प्रपत्र प्राप्त हो चुके होंगे। इसी प्रकार अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराए गए नाम जो प्रारूप सूची में शामिल नहीं है उनकी सूची निर्वाचन आयोग की वेबसाइट या सार्वजनिक कार्यालयों में प्रदर्शित की जाएगी। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी किया जाएगा, जिनके नामों का पिछले एसआईआर से मिलान/लिंकिंग नहीं हो पाया है। ऐसे मतदाताओं की पात्रता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन और पिछली एसआईआर से उनकी स्थिति पर सुनवाई कर निर्णय लिया जाएगा। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को कोई भी मतदाता या मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल का बीएलए दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकेगा। उन्होंने बताया कि वास्तविक मदाताओं विशेष रूप से वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, गरीब तथा अन्य संवेदनशील वर्गों को परेशानी या उत्पीड़न न हो, उन्हें यथासंभव सभी आवश्यक सुविधाएं एवं सहायता प्रदान करने के लिए वॉलिंटियर्स की भी नियुक्ति की जाएगी। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि 27 अक्टूबर 2025 की स्थिति में जिले में 12 लाख 58 हजार 275 मतदाता है, जिनमें 6 लाख 34 हजार 883 पुरूष एवं 6 लाख 23 हजार 372 महिलाएं शामिल है।

## संक्षिप्त समाचार

### महाराजा जवाहर सिंह स्मारक समिति का स्थापना दिवस एवं जाट प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुई राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया

**नर्मदापुरम (निप्र)।** महाराजा जवाहर सिंह स्मारक समिति, भरतपुर के स्थापना दिवस, भामाशाह एवं जाट प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन शहर में हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया सम्मिलित हुई। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जाट समाज के प्रतिभावान युवाओं तथा भामाशाहों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांसद माया नारोलिया ने कहा कि समाज के युवा अपनी मेहनत और लगन से देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित सामाजिक बंधुओं से संवाद करते हुए समाज में शिक्षा, एकता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बाल्यान, स्थानीय विधायक श्री शैलेश फौजदार, उद्योगपति डॉ. नरेंद्र सिंह फौजदार, समाजसेवी एवं उद्योगपति श्री रज्जन सिंह तंखा, उद्योगपति श्री देवी सिंह कुंतल, समिति अध्यक्ष श्री सरदार सिंह तथा श्री विकास नारोलिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

### कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने की मप्र स्थापना दिवस की तैयारियों की समीक्षा

**बैतूल (निप्र)।** मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवंबर को जिला मुख्यालय स्थित जयवंती पीजी हॉक्सर कॉलेज में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में विस्तृत समीक्षा कर स्थापना दिवस के गरिमामय आयोजन के लिए सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का गंभीरता से पालन कर सभी तैयारियां समय सीमा में पूर्ण की जाए। उन्होंने जिले के गौरवशाली व्यक्तित्व, प्रमुख ऐतिहासिक एवं पर्यटक स्थालों, विभिन्न योजनाओं और एक जिला एक उत्पाद पर केन्द्रित प्रदर्शनी के आयोजन के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग को सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन की सभी तैयारियां किए जाने के लिए निर्देशित किया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन , अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

### तहसीलदार द्वारा खाद वितरण व्यवस्था का औचक निरीक्षण

**विदिशा (निप्र)।** तहसीलदार श्रीमती प्रीति पंथी ने आज डब्ल्यू-लॉक में भंडारित एवं वितरित की जा रही खाद व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्रीमती पंथी ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि खाद वितरण व्यवस्था पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपादित की जाए, ताकि कृषकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी कहा कि सभी प्रकार की खाद की उपलब्धता, भंडारण एवं वितरण की जानकारी प्रदर्शित करने की कार्यवाही समानांतर रूप से सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार द्वारा भंडारण स्थल की सुरक्षा व्यवस्था, वितरण रजिस्टर एवं स्टॉक का मिलान भी किया गया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को सतत निगरानी रखने एवं समय-समय पर सत्यापन करने के निर्देश दिए।

### राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की जिलास्तरीय बैठक सम्पन्न

**विदिशा (निप्र)।** कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के सुचारू संचालन हेतु जिलास्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने की। बैठक में सभी विभागों के समन्वय से जिले के समस्त संस्थानों कृ विशेषकर स्कूल, कॉलेज एवं ग्राम पंचायतों कृ को तंबाकू मुक्त बनाने पर बल दिया गया।

## शुद्ध मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण हेतु राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित

अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह की अध्यक्षता में बैठक में दी गई विस्तृत जानकारी

**सीहोर (निप्र)।** कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह की अध्यक्षता में जिले के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करना और राजनीतिक दलों को इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना था। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची लोकतंत्र की सशक्त नींव है। वर्ष 2002-2004 के बाद अब लगभग 21 वर्षों पश्चात यह विशेष गहन पुनरीक्षण पुनः किया जा रहा है, जिससे प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित किया जा सके तथा अपात्रों के नाम हटाए जा सकें। अपर कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि मतदाता सूची के इस पुनरीक्षण की प्रक्रिया के तहत ईआरओ एवं एईआरओ प्रत्येक मतदाता के लिए विशिष्ट गणना प्रपत्र 27 अक्टूबर 2025 तक की स्थिति में तैयार करेंगे और इस गणना प्रपत्र में वर्तमान मतदाता सूची में सम्मिलित आवश्यक जानकारी होगी। प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक बूथ लेवल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो घर-घर जाकर मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाएंगे, उनका सत्यापन करेंगे और आवश्यकतानुसार संशोधन या विलोपन की कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि क्चरुह्र द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र नाम सूची में शामिल न हो। इस अभियान के अंतर्गत 04 नवंबर से 04 दिसंबर 2025 तक घर-घर जाकर गणना चरण संचालित किया जाएगा। इसके बाद 9 दिसंबर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। दावे और आपत्तियाँ 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक ली जाएंगी। नोटिस चरण (सुनवाई एवं प्रमाणीकरण) की प्रक्रिया 31 जनवरी 2026 तक चलेगी तथा अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। बैठक में बताया गया कि बीएलओ मतदाताओं से संपर्क कर उनके पुराने मतदाता विवरण को पिछले एसआईआर (2002-2004) से लिंक करेंगे तथा नए नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6, विलोपन हेतु फॉर्म-7 और सुधार या स्थानांतरण हेतु फॉर्म-8 भरवाएंगे। इस प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्हें भी प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे मतदाताओं के प्रपत्र एकत्र कर सकें और शुद्ध सूची बनाने में सहयोग कर सकें। अपर कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि यह अभियान निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, त्रुटिरहित और समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे अपने बूथ एजेंट्स के माध्यम से मतदाता सूची पुनरीक्षण में पूर्ण सहयोग दें, ताकि जिले की मतदाता सूची पूर्णतः शुद्ध एवं अद्यतन तैयार हो सके।

## कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कृषि उपज मंडी में किसानों से सोयाबीन भावांतर योजना के संबंध में की चर्चा

**रायसेन (निप्र)।** जिले में ट्रेक्टर-ट्राली से टकराने पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा अधिकारियों को ट्राली के पीछे रेडियम स्ट्रिप लगवाने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मंगलवार को कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे रायसेन में कृषि उपज मण्डी पहुंचे तथा यहां उपज बेचने आए किसानों की ट्रालियों के पीछे रेडियम स्ट्रिप लगाई। उन्होंने किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि प्रायः रात्रि के समय ट्राली से टकराने संबंधी दुर्घटनाएं अधिकता में होती हैं। इन्हें ट्राली के पीछे रेडियम स्ट्रिप लगाकर रोका जा सकता है। सभी किसान साथी ट्रालियों के पीछे रेडियम स्ट्रिप अनिवार्य रूप से लगाएं। साथ ही वाहनों को तेज गति से नहीं चलाने और यातायात नियमों का पालन करने की समझाईश भी दी गई। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा कृषि उपज मंडी में स्थित कैंटीन का भी निरीक्षण किया और खाद्य पदार्थो का गुणवत्ता देखी। उन्होंने कहा कि मंडी में दूर-दराज से कृषि उपज बेचने आए किसान नाश्ता-भोजन करते हैं। यहां गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही स्वच्छता भी बनाए रखें। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सोयाबीन उपज बेचने आए किसानों से संवाद किया तथा सोयाबीन के रेट के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कृषि उपज मंडी के सचिव को निर्देश दिए कि मंडी में व्यवस्थाएं सुचारू हों तथा किसानों की सुविधा के लिए पेयजल, छायादार बैठक व्यवस्था सहित सभी जरूरी इंतजाम हों।

## जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में राजनैतिक दलों के साथ बैठक सम्पन्न

**रायसेन (निप्र)।** निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विश्वकर्मा ने राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के मान से निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से अवगत कराया। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विश्वकर्मा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने दूसरे चरण की एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) की तारीखों की घोषणा कर दी है। इसमें मध्यप्रदेश भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया 28 अक्टूबर से शुरू हो गई है तथा इस बीच 03 नवंबर तक बीएलओ को ट्रेनिंग दी जाएगी। बीएलओ द्वारा 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक घर-घर जाकर सर्वे किया जाएगा। ड्रॉफ्ट रोल का प्रकाशन 09 दिसंबर को किया जाएगा। दावा आपत्तियों के आवेदन 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक लिए जाएंगे। प्राप्त दावा-आपत्तियों की सुनवाई और सत्यापन 09 दिसम्बर से 31 जनवरी 2026 के मध्य किया जाएगा। इसके बाद 7 फरवरी 2026 को फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

## दूरदर्शन की डायरेक्टर जनरल (डीजी) सहित अन्य सदस्यों ने विदिशा के उदयगिरि का भ्रमण किया



**विदिशा (निप्र)।** दूरदर्शन, नई दिल्ली की डायरेक्टर जनरल प्रिया कुमार (डीजी) सहित अन्य ने आज विदिशा जिले में स्थित पुरातत्व धरोहर उदयगिरि के इतिहास को करीब से जाना है। दूरदर्शन डायरेक्टर जनरल के साथ अन्य सदस्यों ने विदिशा की उदयगिरि क्षेत्र में भ्रमण कर पुरातत्व धरोहर का अवलोकन किया है। डायरेक्टर जनरल श्रीमती प्रिया कुमार और दूरदर्शन की अन्य टीम और पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने उदयगिरि की गुफाओं और प्राचीन मूर्तियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने उदयगिरि के प्राचीनतम इतिहास को करीब से जाना है। उदयगिरि के इतिहास की बारीकियों को जानकारी से पुरातत्व विभाग के गाइड द्वारा बखूबी अवगत कराया गया। गाइड के द्वारा अवगत उदयगिरी की प्राचीन धरोहरो की जानकारियां सांझा की गई और पर्यटको की पुरातत्वीय संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया है। तीसरी से पाँचवीं शताब्दी ईस्वी के गुप्त काल में बनाई गई उदयगिरि चट्टानों को काटकर बनाई गई हैं उदयगिरि की इन समस्त प्रतिमाओं व प्राचीन गुफाओं का (डायरेक्टर जनरल) दूरदर्शन न्यूज, नई दिल्ली प्रिया कुमार (डीजी), डायरेक्टर दूरदर्शन न्यूज दिल्ली श्री अरविंद जैन, डायरेक्टर दूरदर्शन न्यूज भोपाल पूजा पी वर्धन, डिप्टी डायरेक्टर भोपाल श्री पी.के मोहंती, प्रदेश हेड पुरातत्व श्री मनोज कुर्मी ने अवलोकन कर विदिशा की प्राचीन धरोहर उदयगिरि की ज्ञानवर्धक जानकारियां को आत्मसात किया है। विदिशा के उदयगिरि में भ्रमण दौरान दूरदर्शन टीम के सदस्यों ने यहां कुछ गुफाओं में गुप्त लिपि में संस्कृत शिलालेख हैं। कई मंदिर , प्रतिमाएं, सुरंग और अन्य वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूनो को भी बारीकी से जानी है। इस अवसर पर अतिथियों को मध्यप्रदेश संदेश की सितम्बर माह की प्रकाशित एक-एक प्रति उदयगिरी भ्रमण के दौरान दूरदर्शन न्यूज, नई दिल्ली प्रिया कुमार (डीजी), डायरेक्टर दूरदर्शन न्यूज दिल्ली श्री अरविंद जैन, डायरेक्टर दूरदर्शन न्यूज भोपाल पूजा पी वर्धन, डिप्टी डायरेक्टर भोपाल श्री पी.के मोहंती, प्रदेश हेड पुरातत्व श्री मनोज कुर्मी और दूरदर्शन के एंकर श्री श्रेयश द्विवेदी सहित अन्य को प्रतियां उपलब्ध कराई गई है। निरीक्षण भ्रमण के दौरान नायब तहसीलदार श्री ओम बघेल, पुरातत्व विभाग के कॉर्डिनेटर श्री संदीप मेहतो सहित अन्य विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।

## डेवलपमेंट के कार्य एवं प्रोजेक्ट अनावश्यक रूप से लंबित न रहे : कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी

### कमिश्नर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी कलेक्टर्स को दिए निर्देश

**नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न कार्यों, योजनाओं एवं प्रोजेक्ट की समीक्षा की। कमिश्नर श्री तिवारी ने नर्मदापुरम संभाग के हरदा, बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले के कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह डेवलपमेंट के कार्य एवं प्रोजेक्ट की समीक्षा अनिवार्य रूप से कर लें, कोई भी डेवलपमेंट के वर्क एवं प्रोजेक्ट अनावश्यक रूप से लंबित न रहे। यदि प्रोजेक्ट एवं कार्य में राजस्व विभाग एवं वन विभाग की अनुमति की आवश्यकता है तो प्राथमिकता से अनुमति दिलाई जाए। किसी भी स्थिति में डेवलपमेंट के कार्य एवं प्रोजेक्ट ना रुक पाए। कमिश्नर ने कहा कि मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, पिछड़ा वर्ग विभाग, जनजातिय कार्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग एवं अन्य विभाग के कार्य बजट के अभाव में लंबित न रहे। हर कार्य में आवश्यक रूप से भुगतान किया जाए यदि बजट का अभाव है तो सभी कलेक्टर्स शासन को डीओ लेटर लिखकर बजट का आवंटन कराएं। किसी भी स्थिति में हितग्राहियों का भुगतान लंबित न रहे। कमिश्नर ने निर्देश दिए की कई बैंक आधारित हितग्राहियों के त्रुटि पूर्ण बैंक खातों पर असफल भुगतान हो जाता है ऐसे असफल भुगतान को प्राथमिकता से ठीक कर हितग्राही के सही बैंक खाते में राशि का अंतरण करना सुनिश्चित किया जाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने बताया कि भावांतरण योजना नर्मदापुरम संभाग के सभी जिलों में बेहतर तरीके से चल रही है ।भ्रमण के दौरान किसानों से अच्छा फीडबैक मिला है। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह कृषि उपज मंडी में भावांतर योजना के अंतर्गत निगरानी बढ़ाएं। छोटी-छोटी चीजों से व्यवस्था ना बिगड़े इसका विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। खरीदी की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित की जाए। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए की बारिश की वजह से गांव को जोड़ने वाली प्रधानमंत्री ग्राम संपर्क सड़के कई ग्रामों की खराब हो चुकी है ऐसी सभी खराब सड़कों की मरम्मत का कार्य संबंधित विभाग शुरू करे। कमिश्नर ने निर्देश दिए की कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऐसी खराब हो चुकी सड़कों का अनिवार्य रूप से भ्रमण कर अवलोकन करें। भ्रमण के दौरान लोक निर्माण विभाग एवं एमपी आरडीसी के अधिकारी भी आवश्यक रूप से उपस्थित रहे। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सड़कों के साथ-साथ स्कूलो, आंगनबाड़ी केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का भी निरीक्षण प्राथमिकता से किया जाए एवं निरीक्षण के दौरान व्याप्त व्यापक कर्मियों को मौके पर ही दूर करने का प्रयास किया जाए। कमिश्नर ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह विभिन्न ग्राम पंचायतो में खेत पाठशाला का आयोजन करे और किसानों की खेत की मृदा का परीक्षण भी करें। मृदा परीक्षण हेतु पर्याप्त मात्रा में टेस्टिंग लैब है। भू अर्जन के लंबित प्रकरणो की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी कलेक्टर्स यह सुनिश्चित करें कि वह प्रत्येक प्रकरण को प्राथमिकता से देखेंगे। किसी भी स्थिति में कोई भी प्रकरण निराकरण से छूट न जाए। सभी प्रकरणों का संज्ञान ले। कमिश्नर ने निर्देश दिए की भू अर्जन के प्रकरण में हितग्राही को भूअर्जन की राशि भी प्राथमिकता से प्रदान की जाए।

**1 नवंबर को मनाया जाएगा मध्य प्रदेश की स्थापना दिवस का भव्य कार्यक्रम :** वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले के कलेक्टर्स ने बताया कि 1 नवंबर को मध्य प्रदेश स्थापना दिवस का कार्यक्रम जिलों में भव्य एवं रंगारंग रूप से आयोजित किया जाएगा। नर्मदापुरम में सेठानी घाट पर 51 हजार दीपों का दान किया जाएगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, साथ ही नर्मदापुरम जिले के स्वदेशी उत्पादकों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। संपूर्ण कार्यक्रम गरिमामय एवं भव्य रूप से मनाया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, हरदा कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन, बैतूल कलेक्टर श्री नरेंद्र सूर्यवंशी ऑनलाइन एवं उपायुक्त राजस्व श्री गणेश जायसवाल, संयुक्त आयुक्त विकास श्री जी सी दोहर एवं अन्य संभागीय अधिकारी गण ऑफलाइन उपस्थित रहे।

# ड्रोन तकनीक का सभी क्षेत्रों में उपयोग के लिए राज्य सरकार ने बनाई नई पॉलिसी : मुख्यमंत्री

## कृषि कार्य हो, आपदा की स्थिति हो या पुलिस प्रशासन के लिए मॉनीटरिंग की आवश्यकता, सभी जगह ड्रोन तकनीक उपयोगी

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र की सहायता से प्रदेश में विकास के हर संभव प्रयास जारी हैं। प्रदेश सरकार ने अपनी नई ड्रोन पॉलिसी भी तैयार की है। हमें दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। भारतीय समाज नई तकनीक और नवाचारों को शीघ्रता से आत्मसात करने में कभी पीछे नहीं रहा है। ड्रोन, विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव है। ड्रोन कृषि कार्यों में आज अन्नदाता की मदद कर रहा है। इससे खेतों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव आसान हुआ है। ड्रोन तकनीक से देश के दुश्मनों का खात्मा भी हो रहा है। अब तो शादियां भी ड्रोन के बिना पूरी नहीं होती हैं। हमारे वैज्ञानिक वाइस कमांड कंट्रोल की सहायता से ड्रोन को ज्यादा आधुनिक बने रहे हैं। दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारतीय ड्रोन तकनीक की ताकत देखी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में ड्रोन टेक्नोलॉजी के माध्यम से भारत ने दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ड्रोन तकनीक कार्यशाला एवं एक्सपो 2025 का विज्ञान भवन- नेहरू नगर में दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी और वर्कशॉप का शुभारंभ कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं, स्टार्टअप और औद्योगिक संस्थानों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स पर पहुंचकर ड्रोन तकनीक के शैक्षणिक, औद्योगिक और कृषि क्षेत्र में उपयोग के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ड्रोन टेक एक्सपो वर्कशॉप का आयोजन भारत की तकनीकी क्रांति का प्रतीक है। किसान भाइयों के लिए ड्रोन वरदान बन गया है। आपदा कीस्थिति हो या पुलिस प्रशासन के लिए मॉनीटरिंग की आवश्यकता ड्रोन तकनीक ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में जिस प्रकार से बदलाव किया है वह अभूतपूर्व है। राज्य सरकार विकास-नवाचार और आत्मनिर्भरता के सशक्त वाहक के रूप में ड्रोन तकनीक का उपयोग करने के पथ पर अग्रसर है।

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में ड्रोन टेक वर्कशॉप एक्सपो-2025 आयोजित की गई है। इसमें ड्रोन तकनीक के प्रशिक्षण के लिए प्रदेशभर के 4 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा उन्हें स्वरोजगार एवं तकनीक आधारित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी। विज्ञान एवं तकनीकी नवाचारों के माध्यम से मध्यप्रदेश विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा परिषद मध्यप्रदेश के विकास के लिए हर स्तर पर सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर है।

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल के निदेशक श्री कैलाशा राव ने कहा कि आज ड्रोन तकनीक अधोसंरचना विकास कार्यों को मूर्तरूप देने में अहम भूमिका निभा रही है। उज्जैन सहित प्रदेश के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों के मानचित्र तैयार करने में यह तकनीक उपयोगी सिद्ध हुई है। ड्रोन तकनीक पर आधारित यह कार्यशाला युवाओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और जनसामान्य को ड्रोन तकनीक के विविध उपयोगों की जानकारी देने में सहायक सिद्ध होगी।

अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा श्री संजय दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विविध गतिविधियां जारी हैं। प्रदेश के युवाओं को आगे बढ़ने के अनेक अवसर प्राप्त हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ड्रोन टेक्नोलॉजी के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। ड्रोन अब केवल रक्षा या निगरानी का साधन नहीं रहे बल्कि कृषि, भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएँ, परिवहन, उद्योग एवं मीडिया जैसे अनेक क्षेत्रों में उपयोगी साबित हो रहे हैं। भारत सरकार की 'ड्रोन नीति 2021' तथा 'मेक इन इंडिया' अभियान के अनुरूप राज्य स्तर पर भी ड्रोन तकनीक को नवाचार, स्टार्टअप और रोजगार के नए अवसरों के रूप में विकसित किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि ड्रोन टेक वर्कशॉप एवं एक्सपो 2025 का मुख्य उद्देश्य राज्य में ड्रोन तकनीक की समझ, उपयोगिता और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम से युवाओं, शोधकर्ताओं, स्टार्टअप्स, उद्योगों और नीति निर्माताओं को एक साझा मंच मिलेगा, जिससे ड्रोन तकनीक के व्यावहारिक, सामाजिक और औद्योगिक उपयोग को बढ़ावा दिया जा सकेगा। कार्यक्रम में ड्रोन प्रदर्शनी एवं हैंड्स ऑन वर्कशॉप आयोजित की गई। साथ ही राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय विशेषज्ञों के प्रेरक व्याख्यान, ड्रोन उड़ान के लाइव डेमो एवं टेक्निकल शोकेस, इनोवेशन चैलेंज एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कार्यक्रम में मनासा विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू, मुख्यमंत्री डॉ. यादव के संस्कृति सलाहकार श्री राम तिवारी तथा विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थी, विषय-विशेषज्ञ, शोधकर्ता और ड्रोन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नवाचार करने वाले युवा तथा उद्यमी उपस्थित थे।

# केंद्रीय कृषि मंत्री बोले- आंखों में शिवराज सिंह चौहान खटकता

## जनजातीय पंचायत में कहा- मानसिक विकृत लोगों को जनता नहीं दिखती, सरकार हमने बनाई

**भोपाल (नप्र)।** देवास-सीहोर के खिवनी अभयारण्य क्षेत्र में बारिश के दौरान आदिवासियों के घर तोड़े जाने के बाद से राजनीति गर्म है। अब दिवाली से ठीक पहले, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह क्षेत्र बुधनी के भैरूंदा में आदिवासियों को नोटिस दिए जाने पर पूर्व सीएम शिवराज ने प्रशासन पर नाराजगी जताई है। 29 अक्टूबर को भैरूंदा में जनजातीय पंचायत के दौरान दिए गए उनके भाषण के वीडियो भी सामने आए हैं।

शिवराज वीडियो में कह रहे हैं...ऐसे लोग जो मानसिक रूप से विकृत हैं इतनी जनता उनको दिखाई नहीं देती। उनकी आंखों में तो शिवराज सिंह चौहान खटकता है। जिनका राज यहां पर है उनको कह रहे हैं कि यह कहां से आ गए और उनको नोटिस दिए जा रहे हैं। यह जो कर रहे हैं वो विकृत मानसिकता के लोग हैं, यह पागलपन की बात है और इसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेगी।

**दिवाली के पहले आदिवासियों को नोटिस दिए-** शिवराज ने कहा- तैयारी दिवाली के पर्व को मनाने की थी, लेकिन ठीक दिवाली के दिन गरीब भाइयों और बहनों को नोटिस हाथ में थमा दिए गए। ज़मीन उनकी जिंदगी है। ज़मीन जिस पर वर्षों से कब्ज़ा है, वो उनकी रोज़ी-रोटी का साधन है। ज़मीन जो उनके बुढ़ापे का सहारा है, ज़मीन जो उनके बच्चों का आसरा है।

**सालों से जहां खेती कर रहे, उस पर नोटिस-** शिवराज ने कहा- एक छोटी ज़मीन का टुकड़ा, जिसमें वर्षों से खेती कर रहे हैं। दिन-रात मेहनत करते हैं, पत्थर खोदकर जैसे-तैसे एक खेत बनाया, और वो खेत पर बोवनी नहीं करने के नोटिस दे दिए। बोवनी नहीं करेंगे तो जिएंगे कैसे? खाएंगे क्या? ये तो बताए कोई? एक सनक सवार हुई, नोटिस दे दिया। मैं मंत्री, नेता के रूप में नहीं, आपके साथी के रूप में आया हूं।

**नोटिस देने वाले अफसरों पर बरसे-** शिवराज ने अफसरों को चेतावनी देते हुए कहा- जिन्होंने यह नोटिस दिया उनको मैं कुछ कहना चाहता हूं भारतीय जनता पार्टी की सरकार दिल्ली में है, भारतीय जनता पार्टी की सरकार भोपाल में है। मोदी जी भारत के लिए भगवान का वरदान हैं, हमारे प्रधानमंत्री और डॉक्टर मोहन यादव हमारे मुख्यमंत्री हैं।

**ये सरकार हम लेकर आए, अन्याय नहीं होगा-** शिवराज ने कहा- भारतीय जनता पार्टी की सरकार है इसलिए क्योंकि वो जनता की सेवा कर सके, गरीब कल्याण हमारा संकल्प है और ऐसी हालत में जब हमारी सरकारें हैं यह अन्याय नहीं हो सकता ना हम यह अन्याय सहन कर सकते, सरकार तो हमारी है हमने बनाई है, सबने बनाई है।एक तरफ से एक साथ मिलके हम सब यह सरकार लेकर आए हैं भारतीय जनता पार्टी की, हमारी सरकार, हमारे मुख्यमंत्री, हमारे नेता, अन्याय कैसे हो जाएगा और इसलिए मैं आपके बीच आया हूं, मुख्यमंत्री जी से मैंने चर्चा की है और मुख्यमंत्री जी ने आश्वस्त किया है कि अन्याय नहीं होगा।

**शिवराज ने पंचायत में किसानों से की बात-** शिवराज सिंह चौहान ने जनजातीय पंचायत में पहुंचे किसान बंशीलाल से बातचीत करते हुए कहा- ये बंशीलाल पिछले 60 साल से इस ज़मीन पर खेती कर रहे हैं, ऐसे लोगों को हटाया जाना क्या उचित है? जिन पुरानी जमीनों पर लोगों की पूरी जिंदगी बीत गई, उन पर अब नोटिस दिए जा रहे हैं- वो भी दिवाली के दिन! कम से कम लोगों को दिवाली के दिए तो जलाने देते। धनतेरस के दिन ज़मीन छीनने के नोटिस जारी किए गए। जिन्होंने ये नोटिस दिए, अगर उनके साथ ऐसा हो कि उनकी रोज़ी-रोटी छिन जाए।

# महिलाओं की वीरता और सेवा को मिलेगा राज्य सम्मान

**भोपाल(नप्र)।** महिला एवं बाल विकास विभाग ने वर्ष 2025 के लिए राज्य एवं जिला स्तरीय विभागीय पुरस्कारों के लिये आवेदन आमंत्रित किए हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, अधिकार जागरूकता तथा सामाजिक सुधार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करना है।

इन विभागीय पुरस्कारों के अंतर्गत कुल सात सम्मान निर्धारित किए गए हैं। पात्र उम्मीदवारों को निर्धारित तिथियों तक आवेदन जमा करना होगा।

**रानी अवंतीबाई राज्य स्तरीय वीरता पुरस्कार-** यह पुरस्कार उन महिलाओं या बालिकाओं को दिया जाएगा जिन्होंने महिलाओं या बच्चों को उत्पीड़न से बचाने, पुनर्वास में योगदान देने या बाल विवाह एवं दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ साहसिक कार्य किया हो। इस अवसर के तहत विजेता को सम्मान राशि के रूप में ?1 लाख एवं प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा। इस पुरस्कार के लिये आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 नवम्बर 2025 निर्धारित है।

**राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार-** यह पुरस्कार उन महिलाओं या बालिकाओं को प्रदान किया जाएगा जिन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, साक्षरता, पर्यावरण सुधार, आर्थिक सशक्तिकरण और महिला अधिकार जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हों। इस अवसर के तहत विजेता को सम्मान राशि के रूप में रू. 1 लाख एवं प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा। इस पुरस्कार के लिये आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 नवम्बर 2025 निर्धारित है।

**श्री विष्णु कुमार महिला बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान पुरस्कार-** यह पुरस्कार किसी व्यक्ति या स्वयंसेवी संस्था को दिया जाएगा जो महिलाओं और बच्चों से संबंधित समाज सुधार, स्वास्थ्य, शिक्षा, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण और अधिकार जागरूकता के क्षेत्र में कार्यरत हो। इस अवसर के तहत विजेता को सम्मान राशि के रूप रू. 1 लाख एवं प्रशस्ति पत्र में दिया जायेगा। इस पुरस्कार के लिये आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 नवम्बर-2025 निर्धारित है।

### रानी दुर्गावती पुरस्कार

यह सम्मान ऐसी महिला को दिया जाएगा जिसने विपरीत परिस्थितियों-जैसे अत्यधिक गरीबी, विकलांगता, एकल जीवन, गंभीर बीमारी, रेप या घरेलू हिंसा जैसी स्थितियों-में संघर्ष करते हुए समाज सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया हो। इस अवसर के तहत विजेता को सम्मान राशि के रूप म रू. 2 लाख एवं प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा। इसके लिये आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 नवम्बर-2025 निर्धारित है।

### मुख्यमंत्री नारी सम्मान रक्षा पुरस्कार

यह पुरस्कार उन महिलाओं या पुरुषों को दिया जाएगा जिन्होंने किसी महिला को अपराध या असामाजिक तत्वों से बचाने में असाधारण साहस का परिचय दिया हो। यह पुरस्कार राज्य स्तर पर 4 और जिला स्तर पर 2 व्यक्तियों को दिया जाएगा। इस अवसर के तहत विजेता को सम्मान राशि के रूप में राज्य स्तर पर रू. 1 लाख एवं प्रशस्ति पत्र और जिला स्तर पर रू. 50,000 एवं प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा। जिसकी घटना अवधि 1 जनवरी से 31 दिसम्बर 2025 हो। इच्छुक व्यक्ति आवेदन 5 जनवरी 2026 तक कर सकते है।

### राष्ट्रमाता पद्मावती पुरस्कार

यह पुरस्कार उन महिलाओं या पुरुषों को दिया जाएगा जिन्होंने महिलाओं के सम्मान के लिए असामाजिक तत्वों या कुप्रथाओं के खिलाफ उल्लेखनीय साहसिक कार्य किया हो। इस अवसर के तहत विजेता को सम्मान राशि के रूप में रू. 1 लाख एवं प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा। जिसकी घटना अवधिः 1 जनवरी से 31 दिसम्बर 2025 हो। इसके लिये आवेदन करने की अंतिम तिथि 5 जनवरी 2026 निर्धारित है।

### अरुणा शानबाग वीरता पुरस्कार

यह सम्मान ऐसी महिला को दिया जाएगा जिसने स्वयं पर किसी भी प्रकार की हिंसा का वीरतापूर्वक सामना करते हुए आत्मरक्षा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया हो। इस अवसर के तहत विजेता को सम्मान राशि के रूप में रू. 1 लाख एवं प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा।

# एमपी में शिक्षकों की ई-अटेंडेंस पर हाईकोर्ट में सुनवाई, एफिडेविट पेश

## सरकार ने नकारा नेटवर्क ईश्यू, 7 नवंबर को होगी अगली सुनवाई

**जबलपुर (नप्र)।** मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में गुरुवार को ई-अटेंडेंस को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार और शिक्षकों की ओर से हलफनामे (एफिडेविट) दाखिल किए गए। जहां शिक्षकों ने 'हमारे शिक्षक' ऐप में तकनीकी खामियां, नेटवर्क समस्या और सर्वर की दिक्कतें बताईं, वहीं सरकार ने अपने जवाब में नेटवर्क से जुड़ी सभी शिकायतों को सिरे से खारिज कर दिया। अदालत ने दोनों पक्षों के जवाब रिकॉर्ड में लेते हुए अगली सुनवाई 7 नवंबर को तय की है।

### शिक्षकों ने कहा कि

- कई शिक्षकों के पास आधुनिक स्मार्टफोन नहीं हैं।
- हर महीने डेटा पैक का खर्च उठाना मुश्किल हो रहा है।
- ग्रामीण इलाकों में नेटवर्क कनेक्टिविटी कमजोर है।
- ऐप का सर्वर धीमा चलता है और चेहरा मिलान (फेस मैचिंग) में दिक्कत आती है।

शिक्षकों ने यह भी आरोप लगाया कि ऐप से उपस्थिति दर्ज न कर पाने पर विभागीय अधिकारी शिक्षकों को परेशान कर रहे हैं। कुछ मामलों में वेतन रोकने और अनुशासनात्मक कार्रवाई की धमकी भी दी गई है।

### सरकार ने कहा- नेटवर्क और तकनीकी समस्या नहीं

राज्य सरकार की ओर से दायर हलफनामे में कहा गया है कि 'हमारे शिक्षक' ऐप सुचारू रूप से काम कर रहा है और प्रदेश के करीब 73 प्रतिशत शिक्षक नियमित रूप से इसका उपयोग कर रहे हैं। सरकार ने नेटवर्क समस्या और तकनीकी खामियों को नकारते हुए कहा कि शेष शिक्षक भी ऐप के प्रयोग के लिए प्रशिक्षित किए जा रहे हैं।

### पहले भी हुई थी सुनवाई

इससे पहले 23 अक्टूबर को हुई सुनवाई में भी दोनों पक्षों ने अपनी दलीलें रखी थीं। शिक्षकों की ओर से अधिवक्ता अंशुमान सिंह ने कहा था कि ऐप की तकनीकी दिक्कतों के चलते शिक्षक रोजाना परेशान हो रहे हैं। वहीं सरकार ने कहा था कि यह व्यवस्था पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से लागू की गई है।

याचिकाकर्ता शिक्षकों ने अपनी याचिका में वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है। उन्होंने कहा है कि या तो स्कूलों में बायोमेट्रिक मशीन से उपस्थिति दर्ज कराई जाए या फिर पहले की तरह रजिस्टर प्रणाली को फिर से लागू किया जाए।

### शिक्षकों की ओर से उठाई गई समस्याएं

जबलपुर के शिक्षक मुकेश सिंह बरकड़े सहित राज्य के विभिन्न जिलों के 27 शिक्षकों ने ई-अटेंडेंस प्रणाली के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि 'हमारे शिक्षक' ऐप से प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज कराने में गंभीर तकनीकी और व्यावहारिक कठिनाइयां आ रही हैं।

# निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज से क्रेन गिरी, दो मौत, 4 घायल

## चक्काजाम से 8 किमी तक वाहनों की कतार, 12 लाख मुआवजा राशि देने की बात पर प्रदर्शन खत्म

**पीथमपुर (नप्र)।** धार जिले के पीथमपुर में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज पर पिलर चढ़ा रही क्रेन पलट गई और सर्विस रोड से गुजर रहे दो पिकअप वाहनों पर गिर गई। दोनों वाहन चकनाचूर हो गए। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 4 लोग घायल हैं।

हादसा गुरुवार करीब 8:30 बजे सागौर इलाके में हुआ। दोपहर करीब 2:0 बजे परमार समाज के लोगों ने महू नीमच राजमार्ग पर चक्काजाम कर दिया। जिससे करीब 8 किमी तक वाहनों की कतार लगी रही। मृतक कल्याण के परिजन मुआवजे और नौकरी की मांग को लेकर सतनाला चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन कर रहे थे।

एसडीएम राहुल गुप्ता और परिजन के बीच चर्चा के बाद करीब डेढ़ घंटे बाद शाम चार बजे धरना-प्रदर्शन खत्म हो गया। इस दौरान मृतक के परिजन को 12 लाख रुपए की सहायता राशि देने पर सहमति बनी है। इसके बाद परिजन शव लेकर रवाना हो गए।

### लोगों में आक्रोश, पुलिस बल तैनात

हादसे से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। मौके पर 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात हैं। क्षेत्र में तनाव के चलते आंसू गैस के गोले छोड़ने वाली गन और नगर पालिका के पानी के टैंकर भी बुलाए गए हैं।

# दमोह की बच्ची के फेफड़े में फंसी एलईडी लाइट

## खांसी बढ़ी तो डेढ़ साल की मासूम का एक्सरे कराया, जबलपुर मेडिकल में हुआ सफल ऑपरेशन

**जबलपुर (नप्र)।** नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर के डॉक्टरों ने दमोह जिले की डेढ़ साल की मासूम गरिमा की जान बचा ली। बच्ची के फेफड़े की मुख्य श्वसन नली में करीब डेढ़ इंच लंबी एलईडी लाइट फंसी हुई थी, जिससे उसकी सांसें रुक सकती थीं।डॉक्टरों ने ब्रोंकोस्कॉपी ऑपरेशन के जरिए एलईडी को सुरक्षित निकालते हुए उसे नया जीवन दिया। तीन दिन तक आईसीयू में रहने के बाद अब बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है।

**खांसी से बिगड़ी तबीयत, एक्सरे में दिखी अजीब वस्तु-** दमोह जिले के हीरा सिंह की बेटी गरिमा को एक सप्ताह से लगातार खांसी हो रही थी। हालत बिगड़ने पर परिवार ने पहले उसे निजी अस्पताल में दिखाया, जहां प्राथमिक इलाज के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ। जब एक्सरे किया गया, तो डॉक्टरों को उसके फेफड़े में किसी अजीब वस्तु के फंसे होने की आशंका हुई। गरिमा को तुरंत जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

**रातोंरात की गई ब्रोंकोस्कॉपी, डॉक्टरों ने बचाई जान-** 26 अक्टूबर की रात को बच्ची को मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग में भर्ती किया गया। ईएनटी विभाग की टीम ने तुरंत जांच कर पाया कि दाहिने फेफड़े की मुख्य श्वसन नली में एलईडी लाइट फंसी है।

इतनी छोटी बच्ची के फेफड़े से ऐसी वस्तु निकालना बेहद जटिल और जोखिमपूर्ण था। डॉक्टरों की टीम ने तत्काल ब्रोंकोस्कॉपी की और एलईडी लाइट को सफलतापूर्वक निकाल लिया। डॉक्टरों के अनुसार, थोड़ी सी देरी भी घातक साबित हो सकती थी।

**तीन दिन रही आईसीयू में, अब पूरी तरह स्वस्थ-** ऑपरेशन के बाद बच्ची को मेडिकल कॉलेज के पेडियाट्रिक आईसीयू (पीआईसी) वार्ड में भर्ती किया गया। 27 से 29 अक्टूबर तक उसे मैकेनिकल वेंटिलेशन पर रखा गया था। डॉक्टरों की लगातार देखरेख में उसकी स्थिति में सुधार हुआ और 29 अक्टूबर को गरिमा को डिस्चार्ज कर दिया गया।गरिमा के माता-पिता ने भावुक होते हुए कहा- डॉक्टरों ने हमारी बच्ची को नया जीवन दिया है, यह हमारे परिवार के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने इस सफलता को डॉक्टरों की विशेषज्ञता और टीमवर्क का परिणाम बताया।

### पेंशनरों ने जुलाई 25 से मांगा 3 प्रतिशत डी आर

**भोपाल।** पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने प्रदेश के मुख्य सचिव एवं अपर मुख्य सचिव वित्त को पत्र लिखकर जुलाई 25 से 3त्न डी आर की मांग की है एवं कहा है कि वर्ष 2000 में पुनर्गठित राज्य उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार एवं झारखंड ने पेंशनरों का महंगाई राहत बढ़कर 58त्न कर दिया है सक्सेना ने कहा कि शीघ्र आदेश जारी कर पेंशनरों के प्रति सरकार अपनी संवेदना प्रकट करें ।संगठन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने कहा कि सरकार पेंशनर को समानता के अधिकार से वंचित नहीं कर सकती है सरकार को महंगाई से त्रस्त प्रदेश के पेंशनरों को लंबित महंगाई राहत के आदेश शीघ्र जारी करना होगा । जोशी ने कहा की इसके लिए 1 नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस सबसे अच्छा दिन होगा ।